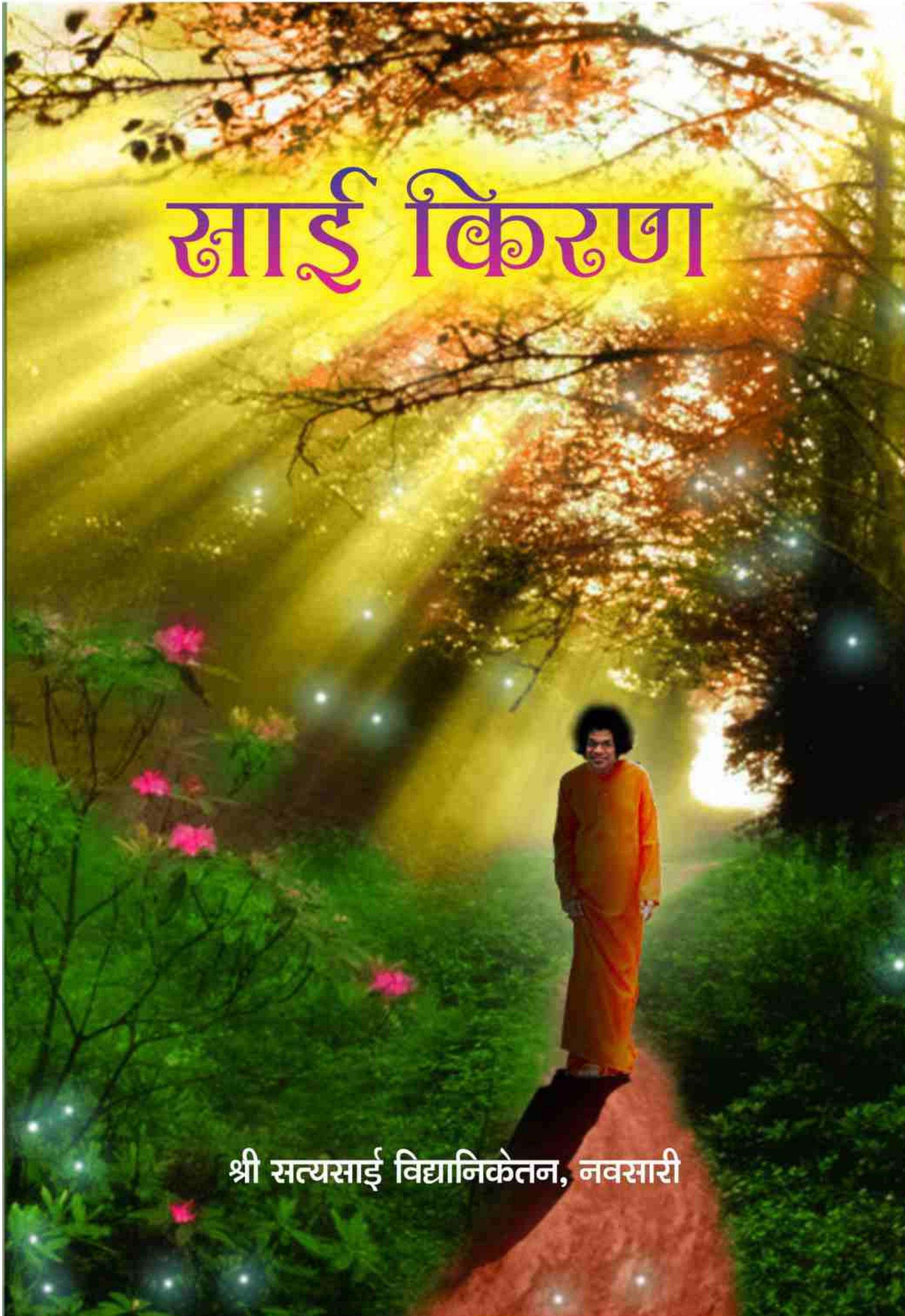
साई किरण
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

सदी के महान साहित्यकार, कवि एवं गीतकार पद्म भूषण

श्री गोपालदास नीरज

(4 जनवरी **1925 - 19** जुलाई **2018)** इटावा**,** उत्तर प्रदेश**,** भारत

हिन्दी साहित्यकार, शिक्षक, एवं कवि सम्मेलनों के मंचों पर काव्य वाचक एवं फ़िल्मों के गीत लेखक थे। वे पहले व्यक्ति थे जिन्हें शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में भारत सरकार ने पद्म भूषण सम्मान (2007). यही नहीं, फ़िल्मों में सर्वश्रेष्ठ गीत लेखन के लिये उन्हें लगातार तीन बार फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिला।

प्रमुख कृतियाँ : नीरज की पाती (1958), गीत भी अगीत भी(1959), नीरज की गीतिकाएँ (1987)

अपने बारे में उनका यह शेर आज भी मुशायरों में फरमाइश के साथ सुना जाता है:
इतने बदनाम हुए हम तो इस ज़माने में, लगेंगी आपको सदियाँ हमें भुलाने में।
न पीने का सलीका न पिलाने का शऊर, ऐसे भी लोग चले आये हैं मयखाने में।

श्रद्धेय नीरज जी को समर्पित 'साई किरण' काव्य संकलन

प्रस्तावना

बड़े हर्ष का विषय है कि श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी गत 11 वर्षों की भाँति इस वर्ष भी अपने वार्षिक काव्य संकलन 'साई किरण' का प्रकाशन करने जा रहा है | इसमें राज्यस्तरीय हिन्दी कविता लेखन प्रतियोगिता की चुनी हुई ७० रचनाओं को संकलित किया गया है| इस आठवें संस्करण में अनेक प्रतिभाशाली छात्र, छात्राओं एवं सुयोग्य शिक्षकों की मौलिक रचनाओं को सम्मिलित किया गया है| यह पूर्ण संकलन 'पर्यावरण एवं प्रदूषण' संकल्पना पर केन्द्रित है| जिसमें पर्यावरण से जुड़ी गंभीर समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया है | 'साई किरण' विद्यार्थियों और शिक्षकों की सृजनात्मक क्षमता को प्रदर्शित एवं परिष्कृत करने का प्रभावशाली माध्यम तो है ही साथ ही साथ राष्ट्र भाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को भी पूरा कर रही है | प्रसिद्ध कवि भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने लिखा था -

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निजभाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को सूल |

आज के वैश्वीकरण और निजीकरण के दौर में अंग्रेज़ी भाषा के प्रति लोगों का रुझान काफी बढ़ा है, राष्ट्रभाषा हिन्दी का विस्तार दिन-प्रतिदिन नवीन तकनीकी के साथ साथ विकसित हो रहा है, परन्तु आधुनिक जीवन शैली में हिन्दी भाषा संस्कृति में ह्रास स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है| श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन परिवार नवसारी इसी ह्रास को रोकने तथा हिन्दी के प्रचार-प्रसार की अभिवृद्धि हेतु क्रियाशील एवं कृतसंकल्प है |

प्रस्तुत वार्षिक काव्य संकलन 'साई किरण' इसी श्रृंखला की एक कड़ी है| मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस काव्य संकलन से जहाँ हिन्दी प्रेमी पाठकों का भरपूर मनोरंजन होगा वहीं रचनाकारों की सृजनात्मक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल में भी अभिवृद्धि होगी |

भगवान श्री सत्यसाईं बाबा की असीम कृपा से हम अपने उद्देश्य में सफल होंगे |

बिभूति नारायण बिस्वाल
प्राचार्य
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी
केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा

भारत सरकार
Government of India
विद्युत मंत्रालय
Ministry of Power
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
Central Electricity Authority
राजभाषा अनुभाग
Rajbhasha Anubhag

श्रीमान, विदित हो कि विगत १३ वर्षों से विद्यालय में हिन्दी राजभाषा के प्रचार प्रसार हेतु प्रतिवर्ष राज्य-स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है | इसी श्रंखला में आगामी संकलन **' साई किरण '** जिसमें वर्तमान की ज्वलंत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छ भारत एवं पर्यावरण सुरक्षा संबंधी विषयों पर चयनित ७० कविताओं का संकलन प्रकाशित हो रहा है जो कि सराहनीय कदम है | मैं विद्यालय एवं समस्त उद्यमी, कर्मठ शिक्षक और प्रबन्धन समिति को बधाई देता हूँ और उनकी सफलता की कामना करता हूँ |

डॉ. ओम प्रकाश द्विवेदी
वरिष्ठ अनुवादक
केंद्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा

18-ए ,शहीदजीत सिंह मार्ग, एन.आर.पी.सी. बिल्डिंग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली -110016 टेलि 7982947594 ईमेल:omprakashdwivedi@yahoo.co.in
18-A.Saheedjeet Singh Marg.N R P C Building.Katwaria Sarai. New Delhi-110016 Tele: 7982947594 Email: omprakashdwivedi@yahoo.co.in

ॐ श्री साई राम OM SRI SAI RAM

श्री सत्य साई महिला महाविद्यालय
SRI SATHYA SAI COLLEGE FOR WOMEN

(Autonomous College)
Kasturba Hospital Road, Habibganj, Bhopal - 462 024 (M.P.)
E-mail : ssswcbhopal@yahoo.co.in, Website : www.srisatyasaiedubpl.org
Phone : 0755-2451119, 2456308

Established in 1974

NO.: SSSC \ \ DATE ..10.12.18..

नन्ही क़लम और बड़ी चिन्ताएँ

इन कविताओं में यह बात सबसे पहले आकर्षित करती है कि ये कविताएँ छटी कक्षा से बाहरवीं कक्षा तक में पढ़ने वाले बच्चों द्वारा लिखी गयी हैं । इनमें प्र्यावरण की चिन्ता तो है ही साथ ही यह भी स्वर बार बार सुनाई देता है कि अगर हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ करेंगे और उसे नुकसान पहुँचायेंगे तो उससे हमें स्वयं को किस तरह के नुकसान होंगे । कहा जा सकता है कि इन नहीं कलमों से रची गयी इन कविताओं में हमारे समय की एक बड़ी चिन्ता दिखाई देती है । ये कविताएँ प्र्यावरण के प्रति हमारे आचरण को बदलने की मांग करती हैं । पर्यावरण अगर स्वच्छ रहेगा तो उससे आरोग्य का सुख होगा और मनुष्य जब निरोगी होगा तो समाज में विकास होगा । इस तरह की एक तार्किकता भी इन कविताओं में देखी जा सकती है ।

स्वच्छता और पर्यावरण की यह चिन्ता जैसे समाज की अन्य समस्याओं से जुड़ी है । वह मनुष्य के निरोगी होने याने स्वास्थ्य की समस्या से और समाज के विकास की समस्या से भी जुडी है । इन पंक्तियों में बहुत सी बातों को अनायास ही समेट लिया गया है । जैसे प्लास्टिक को नष्ट करने की बात हो या धुएँ को कम करने की बात हो , सफाई रखने की बात हो , पानी की समस्या हो , भूमि को प्रदूषित होने से बचाने की बात हो , रासायनिक खाद के छिड़काव को कम करने की बात हो , ऐसी अनेक बातें ये कविताएँ अपने में समेटे हुए हैं । इनमें राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के संदेश को बार बार याद दिलाया गया है ।

भाषा या वाक्य की अनगढ़ता और अशुद्धियों के बावजूद बहुत सहज सरल मन से इनमें देश को सुन्दर स्वच्छ और लगातार बेहतर बनाने की चिन्ता इन कविताओं का सबसे बड़ा आकर्षण है ।

10.12.18
Principal
Sri Sathya Sai College
for Women, Bhopal

Prof. R. P. Shukla
प्रो० आर० पी० शुक्ल
HEAD & DEAN
विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख

BANARAS HINDU UNIVERSITY
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
(Established by Parliament vide Notification No. 225 of 1916)
FACULTY OF EDUCATION
शिक्षा संकाय
KAMACHHA, VARANASI - 221 010
कमच्छा, वाराणसी–221010

☎0542-2361982

Dear Dr. B.N.Biswal

It gives me immense pleasure to note that **Sri, Sathya Sai Vidyaniketan, Navsari** is bringing out its 8th volume of its peom collection written by budding poets during state level Hindi Peom writing competition 2018.

On the spot and instant composing of peom shows young poets imagination and creative reflections.

I convey my heartfelt congratulations to all budding poets, their teachers and the principal, including management.

The novel activity of this kind promotes inner strength of the young students let it continue.

RPShukla 12/11/18
R. P. Shukla

मुझे बहुत खुशी है कि श्री सत्यसाईं विद्यानिकेतन, नवसारी राज्य स्तर हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता 2018 के दौरान उभरते कवियों द्वारा लिखी गई कविताओं का संग्रह अपना 8 वाँ स्करण प्रकाशित हो रहा है । सभी रचनाएँ युवा कवियों की कल्पना और रचनात्मक प्रतिबिंब दिखाती है । मैं प्रबंधन सहित सभी उभरते कवियों, उनके शिक्षकों और प्राचार्य को अपने दिल की बधाई देता हूँ। इस तरह की रचनात्मक गतिविधि युवा छात्रों की आंतरिक शक्ति को प्रोत्साहन देती है इस प्रवाह को जारी रखें |

Professor J.S. Dubey
MPES
Head - Dept. of Philosophy
Govt Hamidia College
(Barkatullah University)
Bhopal - 462003, India

Residence
DK 5/176, Danish Kunj
Kolar Road, Bhopal - 462042
Mob. + 91- 9425187989+91- 8319143446
e-mail: jsdubey2010@gmail.com

Ref. **Date :** 11-12-18

आदरणीय बिसवाल जी,

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि गुजरात में आपके अथक परिश्रम से हिन्दी भाषा में कविता की पुस्तक "सांई किरण" प्रकाशित हो रही है। जो विद्यालय की बहुभाषिता को रेखांकित करता है। राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण एवं मातृभूमि के प्रति निष्ठा भाषा के द्वारा प्रकट होती है। कहा गया है– जिस देश की अपनी भाषा नहीं, उस देश का कोई चरित्र नहीं।

विद्यालय के शिक्षकों की प्रेरणा से एवं आपके कुशल मार्गदर्शन में सांई किरण एक श्रृंखला के रूप में नित नवीन आयामों को स्पर्श करे एवं प्रतिवर्ष ऐसी कविता की पुस्तक का प्रकाशन हो, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

प्रति,

डॉ. विभूति बिसवाल
प्रधानाध्यापक,
सत्य सांई विद्यालय,
नवसारी, सूरत, गुजरात

(प्रो. जे.एस. दुबे)
भोपाल

प्रकाशक :
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन
गणेशवड, सिसोद्रा
ने.हा. –८ , नवसारी, गुजरात
दूरभाष: ०२६३७ २९१०३०

वेबसाइट : www.sssvn.edu.in

सम्पादक मंडल :
दिनेश प्रजापति (प्रभारी)
योगश पटेल
गीता पटेल
मोनिका चांपानेरी
बद्रीनाथ मिश्रा

सर्वाधिकार सुरक्षित : ©
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन
नवसारी, गुजरात

आठवाँ संस्करण

दिसम्बर, २०१८

मूल्य : रू १३०

प्रिंटर्स :
रंगोली ग्राफिक्स, नवसारी
मो : 9428160983

Publisher :
Sri Sathya Sai Vidyaniketan
Ganeshvad Sisodra,
N.H 8 Navsari, Gujarat
Contact - 02637 291030

Website : www.sssvn.edu.in

Editorial Team :
Dinesh Prajapati (Co-Ordinator)
Yogesh Patel
Geeta Patel
Monika Champaneri
Badrinath Mishra

Copyright : ©
Sri Sathya Sai Vidyaniketan
Navsari, Gujarat.

Eighth Issue
December, 2018

Price : Rs. 130

Printers :
Rangoli Graphics, Navsari
Mob. : 9428160983

अनुक्रमणिका

क्रम	कविता का नाम	कवि का नाम	पृष्ठ सं.
१.	मैं और मेरा पर्यावरण	इशिता गोंडालिया	1
२.	मेरा कर्त्तव्य	आयुष आर पांचाल	2
३.	पर्यावरण की शक्ति	सुहानी कल्पेश मोदी	3
४.	स्वच्छ पर्यावरण	मानस पटेल	4
५.	नव संचार की ओर	राजपूत उर्मिला तेजसिंह	5
६.	स्वच्छ भारत बनाना है	रूद्र वी देसाई	6
७.	स्वच्छ बनाएँ	वैष्णवी दत्ता थोरट	7
८.	प्रतिज्ञा लेते हैं	शाह दिया प्रवीणभाई	8
९.	प्रकृति का वरदान	मशीरा साबिर शेख़	9
१०.	मेरा पर्यावरण	गांधी हेलिना किरण कुमार	10
११.	स्वच्छ भारत की ओर	गोस्वामी नंदिनी सुखदेवागिरि	11
१२.	एक प्रतिज्ञा	रिया अमिताभाई बारोट	12
१३.	नई सोच	पटेल आर्ची अमितभाई	13
१४.	शपथ ले लो	ऋषिकेश एच पाण्डेय	14
१५.	हरियाली सोच	कृष्णा राजेश गोस्वामी	15
१६.	जहाँ स्वच्छता वहाँ प्रभुता	प्रथम लिखिया	16
१७.	ज़िम्मेदारी	हेत्वी मनीष मिस्त्री	17
१८.	गांधी जी के साथ	दिया ए देसाई	18
१९.	स्वच्छता का हिस्सेदार	दिया हर्षल कुमार	19
२०.	स्वच्छ भारत का वादा	ईवा अलय देसाई	20
२१.	स्वच्छता की ओर	नियति बी पटेल	21
२२.	मेरा भारत स्वच्छ भारत	क्रिश एस पटेल	22
२३.	पर्यावरण	रीया दर्शनभाई पटेल	23
२४.	वृक्ष वाणी	ईशा बी पटेल	24
२५.	वरदान	एंजल डागलिया	25
२६.	पर्यावरण की रक्षा	फाल्गुनी आर पटेल	26
२७.	पेड़ लगाओ	दुबे प्रियंका विपिनभाई	27
२८.	प्रकृति का सम्मान	किशन ए पटेल	28
२९.	स्वच्छ पर्यावरण	शाह मोक्षाली ए	29
३०.	ख़तरे में जगत	शर्मा पायल अशोकभाई	30
३१.	ज़िन्दगी की रचना	वैष्णवी आर पी मौर्य	31
३२.	अब क्यों नहीं	मैत्री डी साध्वी	32
३३.	विकास पथ	विक्रम जे राजपुरोहित	33
३४.	इंसान वही	भावी पुष्कर मिस्त्री	34
३५.	प्रकृति का शोषण	अस्मिता पटेल	35
३६.	ज़िन्दगी की सीख	देशमुख उर्वी कैलाशभाई	35

क्रम	कविता का नाम	कवि का नाम	पृष्ठ सं.
३७.	कश्मीर से काशी	जयसिकाबेन जितेंद्रभाई पटेल	36
३८.	स्वच्छता से समंदर मेरा भारत	चंचल शर्मा	37
३९.	बापू का सपना	चावड़ा जागृति विनुभाई	38
४०.	नैतिक ज़िम्मेदारी	पार्थिवी एस पटेल	39
४१.	अनसुनी कराहें	राजपूत प्राची एच	40
४२.	वृक्ष बिना ना जीवन	संघवी श्रेया कमलभाई	41
४३.	स्वच्छता की अभिलाषा	हर्ष्वी नियोलिया	42
४४.	जीवन का उद्धार	देसाई टिशा वाई	43
४५.	पहले कौन?	पटेल वैशाली ए	44
४६.	स्वच्छता अपनाएँ	कुमावत किरण आर	45
४७.	कोशिश करें	प्रतीक डी शाह	46
४८.	स्वच्छता की लहर	प्रीत एच पटेल	47
४९.	जीवन हरा बनाओ	गांधी प्रेयसी धर्मेश	48
५०.	लहराती हरियाली	मोदी हनी आर	49
५१.	फ़र्ज़ हमारा	विनीत आशीष ठक्कर	50
५२.	गांधी जी का स्वप्न	शाह जहान चिंतन	51
५३.	स्वस्थ रहेगा देश	ओम पी शिवाले	52
५४.	बापू का नारा	रिया प्रवीण कुमार	53
५५.	विकल्प	पटेल खुशी वसंतभाई	54
५६.	स्वच्छता का पैगाम	मुस्कान शेख़	55
५७.	कितना नुकसान	भंडारी ध्रुवी धर्मेश भाई	56
५८.	बदलाव लाना	शेफाली योगेशकुमार पटेल	57
५९.	मुक्त विचार	बिभूति नारायण बिस्वाल	58
६०.	विलीन	दिनेशचन्द्र प्रजापति	59
६१.	विघटन	बद्रीनाथ मिश्रा	60
६२.	उन्नति के नाम पर	चेतना पटेल	61
६३.	धरती स्वर्ग हमारी	दिनेश भट	62
६४.	प्रकृति से प्रीति	प्रीति एच सोनी	63
६५.	हमारा कर्त्तव्य	योगेश पटेल	64
६६.	पर्यावरण चेतना	रोमा जोशी	65
६७.	पर्यावरण का हिस्सा	सहिस्ता परवीन शेख़	66
६८.	प्रकृति प्रेम	मोनिका चांपानेरी	67
६९.	ओस की बूँदें	डॉ. स्वाति नायक	68
७०.	हमारा कर्त्तव्य	जतिन कुमार पी टंडेल	69
			70

मैं और मेरा पर्यावरण

(नई सोच)

अकसर अकेले में सोचता हूँ,
ये हवा, पानी और खुराक में इतना प्रदूषण है,
तो हम कैसे जी पाएंगे ?
वक्त की प्रदूषित नदी ने जिस जल को छुआ है,
ऐसा पानी हम कैसे पी पाएंगे ?
मैं सोचता हूँ ।
ऐसे ही पेड़ अगर कटते रहेंगे तो,
हम कैसे सांस ले पाएंगे ?
जिंदगी बोझ बन जाएगी,
हम कैसे सह पाएंगे ?
हाँ, अकसर मैं यह सोचता हूँ ।
दर्द इन्हें भी होता होगा,
चोट इन्हें भी लगती होगी,
किसी मासूम बालक की तरह,
उनकी आँखें भी रोती होंगी,
हाँ, अकसर मैं यह सोचता हूँ ।
प्रकृति नष्ट हुई नष्ट हरियाली,
मुट्ठी भर नहीं है शुद्ध हवा,
खाली है जीवन की प्याली,
हाँ, अकसर मैं सोचता हूँ ।

आर्य सुरती (११ वीं)
प्रथम आश्वासन पुरस्कार,
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

गोंडलीया इशिता विपुलभाई (१२ वीं)
श्री सरदार पटेल विद्या भवन, नवसारी

मेरा कर्त्तव्य

एक दूसरे के पूरक आमरण,
यदि इनका तनिक हुआ क्षरण,
तो आपदाओं का होगा संचरण ।
हम प्राणी ही हैं उपभोक्ता,
इसके हम ही हैं संरक्षक,
प्रभु, हमारे कर्मों के नियोक्ता,
फिर क्यों दोहन कर बने भक्षक ।
आओ मित्रों, हम सब लें संकल्प,
पर्यावरण संरक्षण करेंगे जीवन पर्यंत,
हरित पर्यावरण का नहीं कोई विकल्प,
अन्यथा पृथ्वी पर होगा जीवन का अंत ।
अंत के करीब आओगे,
तब तुम बहुत पछताओगे,
समय है अभी भी बदलने का,
पर्यावरण के हित में कुछ कर गुजरने का ।
आज हम मिलकर प्रण लेंगे,
पर्यावरण को दूषित नहीं होने देंगे,
पर्यावरण के प्रति अपना कर्तव्य निभाएँगे,
पर्यावरण में हरियाली लाएँगे ।

राजवी डी. बोहरा, (८ वीं)
सर. जे. जे. प्राइमरी स्कूल (इंग्लिश मीडियम),
नवसारी

आयुश राकेश कुमार पांचाल (12 वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

पर्यावरण की शक्ति

मानव अंधा होकर प्रकृति को दूषित कर रहा,
फिर भी पर्यावरण यह हँसता – हँसता सह रहा,
इतना सब होने के बाद भी,
शांति से मानव की जरूरतें पूरी करता रहा |
फिर भी मानव ने गंदगी न मिटाकर,
अपने जीवन को संकट में डाला है,
मानव ने उसके मुँह पर कचरा फेंका,
पर्यावरण ने मानव को ढाल बनकर बचाया,
मानव न जाने पर्यावरण को क्यों दंड देता रहा,
गंदगी खुद फैलाकर पर्यावरण को कोसता रहा |
पर्यावरण ही है सबकी अभिलाषा,
इसीलिए गंदगी मिटाकर उसे है बचाना,
न करना है किसी पड़ोसी का इंतजार,
पक्के इरादे से स्वच्छता की ओर है कदम बढ़ाना |
आज यह कसम खाकर घर की चौखट पार करते हैं,
कि सिर उठाकर अपने पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं |
खुलेआम अगर इंसान गंदगी फैला सकते हैं,
तो सिर उठाकर गंदगी मिटाने में शर्म क्यों करते हैं ?

सुहानी कल्पेशभाई मोदी (१० वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

स्वच्छ पर्यावरण

मतवालों की टोली निकली,
सुंदर चमन बनाने को,
चम–चम करता स्वच्छ दमकता,
अपना पर्यावरण बनाने को ।
मातृभूमि को जन्नत करने,
मौलिक अलख जगाने को,
चलो साथियों निकलें अब,
पर्यावरण स्वच्छ बनाने को ।
हमनें देखे कई करीबी,
घोषित दिल के सच्चों को,
ज्ञानी ध्यानी महज कागज,
देखा अच्छे अच्छों को ।
बड़ी–बड़ी बातें तो कर ली,
छोटी बात भुला दी है,
किस प्रकार की अलमस्ती है,
ये कैसी आजादी है ?
कैसे इनको समझाएँ हम,
क्या रह गया बताने को,
चलो साथियों निकलें अब,
पर्यावरण स्वच्छ बनाने को ।
वेद हमारे कहते हैं,
कैसे तुम वैभव पाओगे ?
ढेर गंदगी मचा रखी है,
कैसे सुचिता पाओगे ?

सर जे जे प्राइमरी इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

मानस पटेल (१० वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

नव संचार की ओर

स्वच्छ पर्यावरण है प्रकृति की पूंजी,
स्वैच्छिक जागृति, हरियाली और स्वच्छता की सूची,
भूकंप और ज्वालामुखी है प्रकृति की थकान,
स्वच्छ पर्यावरण पर आया प्रदूषण का तूफान ।
विकास की अंधी दौड़ ने ली पर्यावरण की जान,
स्वच्छ पर्यावरण में आया, मौत का फरमान
ऑज़ोन के स्तर में आया, कार्बन का तूफान,
जल, थल, वायु में आया, प्रदूषण का शैतान ।
गंदगी, कूड़े–कचरों ने की रोगों की भरमार,
अब तक जिसने छीन ली है, जन–जन की जान ।
इसलिए तो कहती हूँ,
स्वच्छ पर्यावरण से होता है प्रकृति में नव संचार
स्वच्छ प्रकृति के परिंदों में आया नया सौहार्द,
इसलिए स्वच्छ पर्यावरण के सुमन खिलाओ,
स्वच्छ पर्यावरण से स्वच्छ भारत बनाओ,
स्वच्छ बनेगा इंडिया, तभी बढ़ेगा इंडिया ।

राजपूत उर्मिला तेजसिंग (९ वीं)
श्री शांता राम भट, इंग्लिश मीडियम स्कूल, मोता, सूरत

श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

स्वच्छ भारत बनाना है

अगर करना ही हो, देश के लिए कोई काम,
तो आज से ही शुरू कर दो, यह छोटा सा काम |
इससे न होगा आप का नाम बदनाम,
बस, गर्व से ऊँचा होगा देश का नाम |
बस आपको देना है थोड़ा–सा समय का बलिदान,
जिससे हो जाएगा आपका मान |
वर्षों देखा गांधी ने एक सपना,
भारत को स्वच्छ बनाना है काम अपना |
मिलकर बनाते भारत को स्वच्छ इतना,
जिससे आ जाएँ विदेशी लोग यहाँ,
मिलकर करें भारत को स्वच्छ उतना |
जिससे हो जाए विदेश में हमारा मान पूरा |
चलो बनाएँ भारत की हवा को शुद्ध इतना,
जिससे हमारे देश की हवा शुद्ध हो जाए पूरा,
चलो मिलकर करें वादा अपने आपसे,
चलो मिलकर बनाएँ हमारी भारत माता को,
स्वच्छ और समृद्ध राष्ट्र बनाएँ,
और सभी प्रदूषित को मिटाएँ अपने देश से,
जिससे हमारे दुश्मन मिट जाएँ |

रुद्र वी. देसाई (८वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

चंदा प्रजापति (९ वीं)
आर एन जी पटेल सार्वजनिक विद्यालय,
नवसारी

स्वच्छ बनाएँ

आज हमने ठाना है,
भारत देश स्वच्छ बनाना है |
छोटा मुँह बड़ी बात कहूँ,
तुम सबसे आज,
साफ–सुथरा जैसा मान
वैसे हो हमारा देश |
यहाँ–वहाँ फैला हुआ कचरा,
हम सब मिलकर उठाएँ,
आज हम सब मिलकर,
स्वच्छ भारत बनाएँ |
गाँव–गाँव हर गली मुहल्ला,
बने सुंदर और स्वच्छ,
शुद्ध भावना और कामना,
से घर–घर की शोभा बढ़े |
आज हम सब मिलकर स्वच्छ भारत बनाएँ |
रचे नया इतिहास,
स्वच्छ भारत का अभियान चलाएँ,
आज हम सब मिलकर स्वच्छ भारत निर्माण करें |
स्वच्छ भारत का सपना देखा, होगा सच,
तभी बनेगा भारत एक खुशहाल देश |

वैष्णवी दत्ता थोरट (६ वीं)
डिवाइन इंटरनेशनल स्कूल, नवसारी

निधि जे चाम्पानेरी (७ वीं)
सर. जे. जे. प्राइमरी इंग्लिश मीडियम स्कूल
नवसारी

प्रतिज्ञा लेते हैं

खुले में शौच को बंद करके,
इस रावण को मार गिराना है,
गाँव गली को स्वच्छ बनाके,
कुम्भकर्ण मेघनाथ को जलाना है ।
दशहरा का त्योहार जिसमें,
दस अवगुणों को नष्ट कराना है,
शौच जाने के बाद, धो साबुन से हाथ,
खाना खाने से पहले हाथ सबका धुलाना है ।
भारत को स्वच्छ बनाने की,
मिलकर सब प्रतिज्ञा लें,
स्वच्छ सुंदर गाँव बनाकर अपना,
भारत को स्वर्ग बनाना है ।
बनाके अपने गाँव को स्वच्छ,
हर एक दिन त्योहार मनाना है,
प्यारा भारत देश हमारा,
भारत को हम स्वच्छ बनाएँगे,
पेड़ – पौधे अब नहीं काटेंगे,
उन्हें पानी पिलाएँगे ।

शाह दिया प्रवीण भाई (६ वी)
आर.एन.जी.पटेल सार्वजनिक हाईस्कूल
सिसोद्रा, नवसारी

हितंशी डी राठोड
सेठ आर जे. जे. हाईस्कूल, नवसारी

प्रकृति का वरदान

सूर्योदय का स्वागत किया,
पक्षियों की चहचहाहट ने,
चमक उठे हैं वन उपवन,
विशाल वृक्षों की छाया में,
पारदर्शी हो जैसे नदियों का नीर
तैर रहे हैं इसमें देखो अनेक अनोखे जीव,
खुले आसमान के नीचे है,
सड़कों पर चहल-पहल,
नियमों का पालन करते सब,
बन गया जीवन सरल ।
श्रेष्ठ आहार और शुद्ध हवा यह हमारा अधिकार है,
प्रयास रहे प्रदूषण न हो तो आरोग्य भी स्वच्छ रहे ।
प्रकृति का वरदान है हमें,
हम उसका सम्मान करें,
संतुलन यहाँ कायम हो,
यही स्वच्छ पर्यावरण की परिभाषा है ।

मशीरा साबिर शेख (९ वीं)
बाल नवाज बाई ताता, (अंग्रेजी माध्यम स्कूल), नवसारी

नयन भालीया (१० वीं)
श्री सरदार पटेल प्राथमिक शाला,नवसारी

मेरा पर्यावरण

काटने से पहले शाखाएँ पेड़ की जरूर सोचना,
इस पर बसेरा होगा किसी परिंदे का,
अपार मेहनत से सँजोया आशियाना अपना,
रोएगा, कोसेगा सोच यह काम है किसी दरिंदे का,
आज तो कर देगा अनसुनी उसकी कराहें,
रंग लाएगी एक दिन उसकी बद दुआएँ,
न होना हैरान परेशान,
महरूम जब रिमझिम से हो जाए,
जिसके दम पर तेरी साँसें कायम,
कहाँ से लाएगा संजीवनी हवाएँ ?
प्रदूषण की बढ़ती आबादी देख,
कुदरत इंसान से घबराए,
रफ्ता रफ्ता दूर होती जाए,
सुधारी नहीं जो अपनी खताएँ,
कहाँ से लाएँगे कुदरत की वफाएँ ?
पेड़ों में भी जान होती है,
न काटो पेड़ों को हैवान बनकर
प्यार करो कुदरत से,
जैसे करते हो अपने प्यारे दाता से ।
नहीं रहेगी जिंदगी कायम अगर,
नहीं रही कुदरत कायम,
कुदरत की भेटों को प्यार से स्वीकारो,
जैसे स्वीकारते हो अपनी जिंदगी,
और देते हो अन्यों को खुशी ।

मौलिक डी कंसारा (६ वीं)
भक्ताश्रम इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

गांधी हेलिना किरण कुमार (११ वीं)
सर. सी. जे. एन. जेड. मद्रेसा, नवसारी

स्वच्छ भारत की ओर

आओ, मिलकर हम सब,
आज नया अभियान बनाएँ |
भारत को स्वच्छ करने की,
मिलकर सब प्रतिज्ञा करें |
प्यारा भारत देश हमारा
सोने की चिड़िया कहलाता |

आओ, मिलकर हम सब,
आज नया अभियान बनाएँ |
कूड़ा कूड़ेदान में फेंके,
खुले नल को बंद करें,
पानी का अपव्यय रोकें, |

पेड़ों को काटने से रोकें,
नए–नए पेड़ लगाएँ,
साथ में फूल–पौधों को बो कर,
भारत भूमि को महकाएँ,

आओ, मिलकर हम सब
आज नया अभियान बनाएँ |
खुले में शौच बंद करें,
शौचालय का इस्तेमाल करें,
शौच के बाद साबुन से हाथ धोएँ,
स्वच्छता की ओर नया कदम बढ़ाएँ |

गोस्वामी नंदिनी सुखदेवगिरी (8 वी)
आर.एन.जी.पटेल सार्वजनिक हाईस्कूल
सिसोद्रा, नवसारी

हीर हेतल धर्मेंद्रभाई
(७ वीं) प्रथम पुरस्कार
सर. सी. जे. एन. जेड. मद्रेसा, नवसारी

एक प्रतिज्ञा

मेरे पास आओ मेरे दोस्तों,
एक किस्सा सुनो,
गाँधी जी का एक सपना था,
बने देश स्वच्छ हमारा |
इस बड़े भारत के कोने कोने में,
सड़क के किनारों पे, हर गली,
हर नालों में, हर नदी, पहाड़ों पर
लोग कचरा फेंक जाते हैं |
क्या आप अपने घर और दुकानों में,
अपने घर के मंदिर में और चौबारों में,
करते है ये काम ?
तो फिर क्यूँ, अपने भारत में,
फैलाते हो गंदगी और बीमारी की दुकान ?
क्या हमारे देश की शान नहीं ?
क्या हमारे दिलों में देश के लिए मान नहीं ?
आओ, मिलकर लें एक प्रतिज्ञा,
स्वच्छ सुंदर बनाएँ देश हमारा
भारत की सीमाओं को सैनिक
रखते साफ दुश्मनों से,
ऐसे ही हम रखें देश को |

रिया अमितभाई बारोट (६ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारीपर,

करीना महेंद्रभाई दुबे,
(८ वीं)
संदीप देसाई प्राथमिक विद्यालय, चोवीसी,
नवसारी

नई सोच

स्वच्छ भारत का था गांधी जी का स्वप्न,
स्वच्छ भारत को बनाया मोदी जी ने मिशन |
स्वच्छ भारत की नई राह को संवारना है |
गली – गली गाँव – गाँव को समझाना है,
स्वच्छ भारत का स्वर्णिम मंत्र अपनाना है |
कूड़े – कचरों को कूड़ेदान में ही पहुँचाना है,
जल, थल, वायु प्रदूषण को भारत से मिटाना है |
प्रदूषण के जीर्ण वसनों से भारत को बचाना है,

स्वच्छता के नए प्रकाश से,
नया सवेरा लाना है |
इसीलिए मैं कहती हूँ भारतवासियों,
आओ, मिलकर हम सब,
स्वच्छ स्वर्णिम भारत बनाएँ |

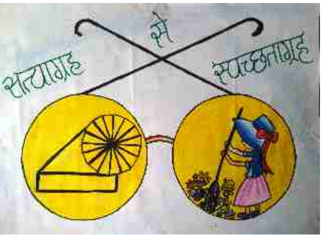

मोसम एस शाह. (९ वीं
सर जे. जे. प्राइमरी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

क्योंकि –
स्वच्छ भारत, स्वर्णिम भारत,
स्वच्छ भारत, सुंदर भारत,
स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत,
स्वच्छ भारत, विकासशील भारत |

पटेल आर्ची अमितभाई (८ वीं)
शांता राम भट , अँग्रेजी माध्यम स्कूल, मोता

शपथ ले लो

भारत का आचरण, स्वच्छ पर्यावरण,
दुनिया का रंग था पहले, सिर्फ हरा और नीला।
अब प्रदूषण उसे बना रहा है काला और रंगीला।
भारत विकास में क्यों पीछे है ?
अच्छाई में क्यों नीचे है ?
इतनी आबादी होने के बाद भी,
हम सफ़ाई में क्यों खींचे है ?
कहते हैं अंग्रेजों के शासन के कारण,
ये देश इतना पिछड़ा है,
और आज़ादी के कारण ही,
ये देश ऐसे बिछड़ा है।
रोड पर जाकर थूकना,
सड़क पर जाकर मूतना,
गली में जाकर लूटना,
हुक्का बीड़ी फूँकना।
इन सब का क्या कारण है ?
क्या पूर्वजों ने ऐसा सिखाया है ?
या कानून का ये लचीलापन है,
जो हमको ऐसा बनाया है।
जानवर भी आजकल,
सफ़ाई में ही चलते हैं।
फिर हम मानव लोग क्यों,
गंदगी में मरते हैं ?
पता नहीं ईश्वर के नाम पर,
लोग न जाने क्या–क्या करते हैं ?
पर उनको ये बात कहाँ पता कि,
ईश्वर सफाई में ही बसते हैं।
क्यों साफ नहीं रख सकते हैं,
हम अपना ही वातावरण ?
क्यों गंदा करते हैं,
हम अपना ही पर्यावरण ?
सुनो गौर से भारतवासी,
मिली आजादी अच्छी ख़ासी,
लाभ है इस आजादी का तब,
स्वच्छ और साफ भारत बने जब।
पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है,
प्रदूषण को दूर भगाना है,
खतरे में हैं वन्य जीव सब,
मिलकर इन्हें बचाना है।
एक शपथ बस ले लो सब,
स्वच्छ रखेंगे हम अपना परिसर,
आओ, मिलकर लेते हैं एक प्रण,
स्वच्छ रखेंगे हम अपना पर्यावरण।

ऋषिकेश एच. पाण्डेय (१० बी)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

हरियाली सोच

हरियाली की महिमा समझो
वृक्षों को पहचानो,
ये मानव के जीवन दाता,
इनको अपना मानो तुम
तन मन में हरियाली हो तो
हो जाएगी पर्यावरण की दिवाली।
हर प्राणी का होगा नाता गहरा,
वृक्षों से, प्रकृति हरित हो जायेगी,
फूलों और कलियों से, नाता जोड़ो
इनको अपना मित्र बनाओ।
तब तक जीव है जगत में,
जंगल अपने आप उगेंगे,
पेड़, फल, फूल बढेंगे,
आओ मिलकर हरियाली फैलाएँ।
प्रदूषण दूर भगाते हैं ,
पर्यावरण का रखें ध्यान,
तभी बनेगा देश महान।
गाँवों को और शहरों को,
मज़बूत करेंगे अपना आवरण,
स्वच्छ रखेंगे पर्यावरण।

सामूहिक कार्य
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

कृष्णा राजेश गोस्वामी (९ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

जहाँ स्वच्छता वहाँ प्रभुता

हाथ में अपने झाड़ू लेकर मोदी जी श्रमदान करें ।
कहने से सुनना नहीं कोई, लोग जो देखें काम करें ।
श्रेष्ठ पुरुष के आचरण को, अन्य लोग अपनाते हैं ।
वे जो प्रमाण कर देता, वे उसका लक्ष्य बनाते हैं ।
गीता का यह मंत्र सरल है, कई लोग दोहराते हैं ।
दुर्लभ वो जो निज जीवन में करके उसे दिखाते हैं ।
थूकें नहीं बिलकुल, नाक न अपनी साफ़ करें ।
तम्बाकू के पानी की, पिचकारी को त्याग करें ।
स्वच्छ वस्त्र पहनें अपना वातावरण भी स्वच्छ रखें ।
अपने स्कूल कार्यालय मंदिर सब स्वच्छ करें ।
चलो गाँधी जी का सपना सच करें ।
अपनी हर गली और मोहल्ले को स्वच्छ रखें ।
आज फिर से एक नई शुरुआत करें ।

प्रथम लीखीया (८वीं)
डिवाईन पब्लिक स्कूल, नवसारी

अंजलि प्रहलाद चौहान, ८ वीं
सिसोद्रा कन्याशाला, नवसारी

ज़िम्मेदारी

अभियानों की जरुरत नहीं है । मेरे भारत देश महान को ।
हर नागरिक प्रण लेता है समझकर अपनी आन को ।
साफ़ होगा सब कोना-कोना महकेगा आँगन सबका ।
गंगा –यमुना नहीं अब सब नाले साफ़ एक समान को ।
बापू का सपना है, आज स्वप्न साकार हो ।
अब साफ़ दिखेगा हर कोना-कोना देश का ।
गलियाँ-पार्क-सोसायटी से, सब हो हिस्सा,
आखिर इन्हें हम समझाएँ अपने देश को स्वच्छ बनाने को ।
जिस धरा पर जन्में हम, ज़िम्मेदारी निभाने को ।
जिस गलियारी में रहते हैं, स्वच्छता उसे देनी है ।
बच्चों-माँओं और वीरों को भारत में स्वच्छता देनी है ।
उसकी ज़िम्मेदारी हमें निभानी हैं ।
कपडों की थैली स्वीकार कर, पोलिथिन को मिटाना है ।
जिन कंधों पर ज़िम्मेदारी, शौचालय की अलख जगानी ।
हर घर का सपना, भारत भर में है, बात यही समझानी है ।

हेत्वी मनीष मिस्त्री (६ वीं)
डिवाईन पब्लिक स्कूल,नवसारी

दिशांत पटेल
प्रथम आश्वासन पुरस्कार (९ वीं)
सर जे. जे. इंग्लिश मीडियम, नवसारी

गांधी जी के साथ

स्वच्छ रखेंगे अपना भारत,
किसको न करने देंगे आहत,
गाँधी जी के साथ चलेंगे,
गाँधीजी के विचार कहेंगे
स्वच्छ रखेंगे हमारा भारत,
भारत भारत स्वच्छ भारत,
नष्ट करेंगे प्लास्टिक सब,
उपयोग करेंगे कपड़े की सभी चीज़ें,
और रखेंगे स्वच्छ हमारा भारत,
स्वच्छ रखेंगे हमारा भारत ।
न करेंगे कचरा नदी,
तालाब में, स्वच्छ रखेंगे नदी,
सदुपयोग करेंगे पानी का,
बचाकर सबको सिखाएंगे,
पेड़-पौधे नहीं काटेंगे,
उगाएंगे नए पेड़ और पौधे,
नहीं डालेंगे दवाई पौधों में,
स्वच्छ रखेंगे अपना भारत ।

दिया. ए. देसाई (६ वीं)
डिवाईन पब्लिक स्कूल, नवसारी

पॉल पायल ए
आश्रमशाला भक्त आश्रम इंग्लिश मीडियम, स्कूल
नवसारी

स्वच्छता का हिस्सेदार

चलो करें इंसाफ
करें हर जगह साफ़।
चलो करने सब सफ़ा।
चलो चले झाड़ू लेकर।
हर किनारा साफ़ करने,
चलो करने सब साफ़।
दूसरों को भी सिखाएंगे,
सारी जगह साफ़ करेंगे,
सफ़ाई में पीछे नहीं हटेंगे।
पहले सफ़ाई मन की प्रार्थना से,
फिर सफ़ाई घर की,
बाद करो आस-पास के वातावरण को साफ़।
ऐसे ही हमारा देश साफ़ होगा।
हर आदमी स्वच्छता का हिस्सेदार होगा,
देश का दुनिया में नाम होगा।
मोदी जी भी जानते हैं,
स्वच्छता देश के लिए ज़रुरी है, तभी तो,
स्वच्छ भारत अभियान चालू है।
लेकिन उनका अकेले का काम नहीं है,
हमें भी सहायता करनी है।
चलो करें इनसाफ,
करें हर जगह साफ़।
चलो करने सब साफ़।

दिया हर्षलकुमार पटेल (८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

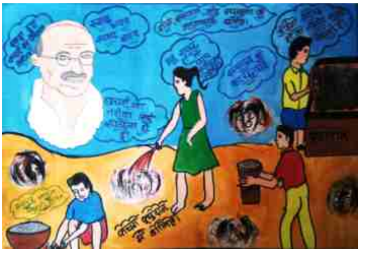

पटेल जीनल दिलिपभाई (१० वीं)
श्री सरदार पटेल प्राथमिक शाला जलालपोर, नवसारी

स्वच्छ भारत का वादा

स्वच्छ भारत का इरादा करें,
हम किसी से भी न डरें।
आओ करें हम साफ़,
गंदगी करें उनको नहीं करेंगे माफ।
बनाएँ स्वच्छ और सुंदर भारत.
यही बनेगी देश की ताकत।
हम सब ने ठाना है,
भारत को स्वच्छ बनाना है।
करते हैं हम वादा,
ये है हमारा नाता।
बनाएँगे भारत को स्वच्छ,
हिन्दुस्तान नहीं है किसी से कम।
स्वच्छ भारत बनेगा हमारा,
सुंदर भारत रहेगा हमारा।
बापू की ये धरती है,
धरती राम, कृष्ण की,
नहीं करेंगे गंदा हम,
अब और नहीं होगी भारतीय की आँखें नम।
करते हैं ये वादा हम।

ईवा अलय देसाई (८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

यादव श्रेया आर (६ वीं)
हेमाली इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

स्वच्छता की ओर

देखो देखो मेरा भारत कितना सुंदर विशाल है।
यहाँ हर एक को सफ़ाई का ध्यान है।
हम सब झाड़ू लेकर हर, जगह को साफ़ करें।
मेरा सपना मेरे भारत को स्वच्छ बनाना है।
देखो देखो मेरा भारत कितना सुंदर विशाल है।
एक कदम स्वच्छता की ओर तुम चलो तो,
हमारा देश बड़ा बन जाएगा।
इसीलिए तुम गली - गली में जाकर,
हर कोना-कोना साफ़ करो।
इसी तरह देश स्वच्छ बन जाएगा।
देखो देखो मेरा भारत कितना सुंदर विशाल है।
आओ बच्चों बड़े हम सब,
मिलकर इस देश को सुंदर स्वच्छ बनाएंगे।
अगर हिंदू और मुस्लिम एक साथ
तो हमारा इन्तकाम और स्वच्छ बन जाएगा।
देखो देखो मेरा भारत कितना सुंदर विशाल है।
एक बार तुम बापू की नज़र से देखो,
तो देश बड़ा बन जाएगा।
जैसे बापू ने दांडी मार्च किया था,
वैसे ही अगर हम सब मिलकर कार्य करेंगे,
तो देश साफ़, सुंदर और स्वच्छ बन जाएगा।
देखो देखो मेरा भारत कितना सुंदर विशाल है।

नियती. बी. पटेल (७ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

वर्षा राजपूत (९ वीं)
बाई नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम, स्कूल,
नवसारी

मेरा भारत स्वच्छ भारत

मेरा भारत स्वच्छ भारत,
स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत
हर कदम पर स्वच्छता होगी,
हर कदम पर खुशहाली होगी।
सुनो प्यारे भारत वासी,
स्वच्छ रखें अपनी ये धरती।
मेरा भारत मेरा भारत,
स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत।
धरती माता कह रही है,
स्वच्छ रखें मेरी ये धरती।
एक कदम उठा के देखो,
क्या लगता है दिल में।
स्वच्छ रखेंगे हमारी धरती,
गाँधीजी का सपना होगा पूरा।
वह तो नहीं रहे परंतु,
आओ उनका सपना करें पूरा।
मेरा भारत मेरा भारत,
स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत।
प्यारे भारत प्यारे भारत,
कब होगा तू सबसे ऊपर
ऐ मेरे प्यारे वतन,
अब हम रखेंगे स्वच्छ तुझको।
हम करेंगे साफ़-सफ़ाई,
अपने गाँव, अपने शहर की,
मेरा भारत मेरा भारत,
स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत।

क्रिष. एस. पटेल (७ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

पर्यावरण

पर्यावरण को बचाना हमारा ध्येय हो,
सबके पास इसके लिए समय हो।
पर्यावरण अगर नहीं रहेगा सुरक्षित,
हो जाएगा सब कुछ दूषित।
भले ही आप पेड़ लगाएँ एक,
पूरी तरह से करें देखरेख।
रासायनिक खाद का कम करें छिड़काव,
भूमि को प्रदूषित होने से बचाएँ।
फैक्ट्रियों में जब और यंत्र लगाये जाएंगे
वायु प्रदूषण में अपने आप कमी आ जाएगी।
तभी वायु प्रदूषण में कमी आएगी,
आधी बीमारियाँ वहीं जल जाएंगी ।

रीया दर्शनभाई पटेल (९ वीं)
श्री शांताराम भट इंग्लिश मीडियम स्कूल, मोता, सूरत

सात्विक एन पटेल (१० वीं)
द्वितीय पुरस्कार,
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

वृक्ष वाणी

छीनने से पहले मेरी जान सोचना ज़रुर,
इस पर हाथ होगा मेरे परिंदे का ।
न पा मेहनत से बोया बीज़ अपना,
रोयेगा, कोसेगा यह काम है दरिंदे का ।
आज मत करना अनसुनी मेरी कथाएँ,
रंग लायेगी एक दिन तेरी बद दुआएँ ।
अनसुनी करके पर्यावरण की आहें,
कल तू ही पायेगा उसकी सजाएँ ।
जिसके दम पर कायम साँस तेरी,
कहाँ से लायेगा वे संजीवनी हवाएँ ।
इंसान जो बरसाये प्रदूषण का कहर,
जिससे कुदरत भी घबराए थर-थर ।
न सुधारी अपनी जो खताएँ,
कैसे पायेगा कुदरत से वफाएँ ।
अब न कर प्रकृति का विनाश ।
अब प्रकृति को भी है तुमसे आस,
अब तुम ही करो उसका विकास ।

शेफाली पटेल (७)
सर जे जे प्राइमरी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

ईशा भुपेन्द्रभाई पटेल (९ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

वरदान

प्रकृति ने अच्छा संसार रचा,
इसका उपभोग करे मानव ।
प्रकृति के नियमों का उल्लंघन करके,
सब बन रहे है दानव ।
ऊँचे वृक्ष घने जंगल सब,
प्रकृति के वरदान हैं ।
इसे नष्ट करने के लिए,
तत्पर खड़ा है क्यों इंसान ।
धरती ने सोना उगला,
इसे नष्ट करने के लिए,
क्यों तत्पर खड़ा है इंसान ।
धरती को माता कहते हैं,
हम कहते हैं वेद पुराण ।
इसे नष्ट करने के लिए,
क्यों तत्पर खड़ा है इंसान ।
हमने अपने कर्मों से,
हरियाली को भी जला डाला ?
इसे नष्ट करने के लिए,
क्यों तत्पर खड़ा है इंसान ।
जागृत होना पड़ेगा तुझको,
इस सृष्टि में रहना हो तो
तत्पर खड़ा है जो इंसान ।
बचा ले अपनी सृष्टि को ।

मलय राकेश शाह
सर जे . जे. प्राइमरी स्कूल, नवसारी

ऐंजल. डागलिया
कक्षा - ११ वीं
श्री शांताराम भट इंग्लिश मीडयम स्कूल, मोता, सूरत

पर्यावरण की रक्षा

देखो यह नदी, झरने, पर्वत सारे,
कैसे झूम रहे मस्ती में सारे....।
कोयल, मोर, पपीहे यहाँ पे,
कैसे घूम रहे वन उपवन में....।
इस धरती की शान सदा जो,
बढ़ती रही हरी भरी हरियाली में...।
प्रकृति की गोद में पलकर सदा,
बढ़ते रहे हर कदम हर आँधी में...।
फूलों की मुस्कान बागों में देखो,
कैसे झूम रही हर डाली में ...।
फिर क्यों आज नज़र आ रही यह क्रूरता,
नष्ट करने क्यों लगे इन तत्वों को...
जिस गोद में हर दम खेला कूदा,
आज इस हवा पानी से क्यों नाता छूटा..।
इस मिट्टी जल, वायु में हरदम,
हर मानव को जीवन मिलता...।
पर्यावरण की रक्षा आज हमें है करनी,
निज स्वार्थ छोड़कर, नहीं धरा प्रदूषित करनी...।
कर्तव्य, समर्पण, अर्पण सब जन करके,
इसे आज हरा भरा फिर से है करना...।

फाल्गुनी राकेशभाई राठोड
कन्या शाला, सिसोद्रा, नवसारी

पेड़ लगाओ

इसी क्षण करना होगा,
धरती बचाने का प्रण !
तभी बचेगा हमारा पर्यावरण !
करके दिखा दो ऐसा काम जिस पर गर्व हो,
इतनी खुशियाँ बाँटों की हर दिन दिखे पर्व !
हरे पेड़ काट रहे हैं, उन्हें खूब धिक्कारो,
खुद इतने पेड़ लगाओ धरती दिखाई दे स्वर्ग !
पर्यावरण हमारे जीवन का हिस्सा है,
यही हमारी कहानी का किस्सा है !
आओ देश में बिछाएँ स्वच्छता का आवरण,
स्वच्छ रहे हमारा पर्यावरण |

दुबे प्रियंका बिपिनभाई (९ वीं)
श्री सरदार पटेल विद्याभवन स्कूल, नवसारी

व्रज आर पटेल (८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

प्रकृति का सम्मान

माँ की तरह हम पर प्यार लुटाती है प्रकृति,
बिना माँगे हमें कितना कुछ देती जाती है प्रकृति
दिन में सूरज की रोशनी देती है प्रकृति
रात में शीतल चाँदनी लाती है प्रकृति।
भूमिगत जल से हमारी प्यास बुझाती है प्रकृति
और बारिश में रिमझिम जल बरसाती है प्रकृति
दिन-रात प्राणदायिनी हवा चलाती है प्रकृति
मुफ्त में हमें ढेरों साधन उपलब्ध कराती प्रकृति।
कहीं बर्फ तो कहीं रेगिस्तान बिछा रखें हैं इसने
कहीं पर्वत खड़े किए तो कहीं नद बहा रखे हैं इसने
कहीं गहरे खाई खोदे तो बंजर ख़ेत बना रखे हैं ।
कहीं फूलों की वादियाँ तो कहीं हरियाली बिछा रखी है
मानव इसका उपयोग करे इससे इसे कोई एतराज़ नहीं
लेकिन मानव इसकी सीमाओं को तोड़ यह इसको मंजूर नहीं
जब मानव मनमानी करता है तब चेतावनी देती है ।
जब इसकी चेतावनी नज़रंदाज़ की जाती है तब सजा देती है ।
विकास की दौड़ में प्रकृति को नज़रंदाज़ करना बुद्धिमानी नहीं है ।
क्योंकि सवाल है हमारे भविष्य का यह कोई खेल कहानी नहीं है ।
मानव प्रकृति के अनुसार चले यही मानव के हित में है
प्रकृति का सम्मान करें सब यही हमारे हित में है ।

पटेल किशन. ए (१२ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

स्वच्छ पर्यावरण

आज समय की माँग यही है कि पर्यावरण बचाओ
सारे लोग मिल जुलकर पर्यावरण बचाओ ।
जीव जगत के मित्र सभी ये जीवन देते सारे
उनको अपना मानो उनको अपना मित्र बनाओ।

वृक्षों को पहचानो तुम हरियाली की महिमा समझो
ये मानव के जीवनदाता उनको अपना मानो
जीव जगत की रक्षा करना अब कर्तव्य हमारा
उनको उगाओ फिर हरियाली लहराओ।

वृक्षों को हम बोएँगे आज कसम ये खाओ
ये तो करना पडेगा फिर सुखमय जीवन पाओ,
आज समय की माँग यही है पर्यावरण बचाओ
सारे लोग मिल- जुलकर पर्यावरण बचाओ।

पर्यावरण को प्रदूषित करके तुम नहीं जी पाओगे।
अगर स्वच्छ दवा नहीं मिल पाए तो,
घबरा घबरा कर मर जाओगे।

शाह मोक्षाली ए
कक्षा ९ वीं
सर.जे.जे. इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

रिया चिरागभाई शाह
कक्षा ७ वीं
डिवाइन पब्लिक स्कूल नवसारी

ख़तरे में जगत

आओ बच्चों तुम्हे बताएँ, बात बड़े ही ज्ञान की ।
वृक्षों से हम करे मित्रता, यह है मानव जहान की ।

खतरें में है सारा जगत यह,
जल, थल वह नल के पानी।
सिलसिला कोई बड़ा नहीं,
समस्या यह है बहुत पुरानी ।
कूड़े में प्लास्टिक का ढेर,
वह खुली मौत को दावत है ।
प्लास्टिक प्रदूषण फैलाता,
जो सुरक्षा चक्र में बाधक है ।
पशु-पक्षियों पर गहरा संकट,
मछलियाँ तड़प कर मर रही ।
समुद्र, नदियों, तालाबों में,
प्लास्टिक गंदगी तैर रही ।
सड़के शहर की गलियों में,
हर ओर प्रदूषण का प्रसार है ।
धूल धूएँ में दम घुटता है,
प्रदूषण का यह दुःखद नज़ारा है ।
साँस लेना हुआ मुश्किल है,
जान पर आफत आई है ।
पेड़ लगाकर पर्यावरण बचाएँ,
इसी में सबकी भलाई है ।
भारत सरकार ने वर्षो से,
इस क्षेत्र में काम किया है ।
मानवता को रखकर जिंदा,
दिलों में अपना नाम किया है ।
आओ हम सभी अब,
प्रदूषण को ना कहें ।
वातावरण को दूषित बनाकर,
तुम स्वस्थ नहीं रह पाओगे ।
स्वच्छ हवा ना ले पाए तो,
घुट घुट कर मर जाएँगे ।
आओ हम कसम ये खाएँ,
प्रदूषण को दूर भगाएँ ।
वातावरण को स्वच्छ बनाकर,
पर्यावरण को दूषित होने से बचाएँ।

शर्मा पायल अशोकभाई (११ वीं)
श्री.आर.एन.जी पटेल सार्वजनिक विद्यालय, सिसोद्रा, नवसारी

ज़िंदगी की रचना

सिक्के की तरह होती है ज़िंदगी,
खर्चो जहाँ खरचना है,
परंतु एक बार ही खर्च कर सकते हो,
यही जीवन की रचना है।
ज़िंदगी रंग–बिरंगी पतंग सी है,
खुशनुमा लगता है, जब है उड़ती,
परंतु ध्यान रखना,
कटने के डर से कभी नहीं मुड़ती।
ज़िंदगी विशाल सागर–सी है,
ज़िंदगी तो मुश्किलों की लहर है,
अगर पार कर लो इन मुश्किलों भरी लहरों को,
तो कभी न कभी ज़रूर आती एक शांत लहर है।
यही ज़िंदगी की रचना है।

वैष्णवी आर.पी. मौर्या
श्री वल्लभ आश्रम डे बोर्डिंग स्कूल पारडी, वलसाड

चौहान स्नेह (८ वीं)
आश्रमशाला इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

अब क्यों नहीं ?

पेड़ से पूछा मैंने...
यूँ ही एक रोज़...
क्यू नहीं है तुम में पहले जैसा जोश ?
क्यों नहीं बैठकर तुम्हारे नीचे
नहीं आती वो पहले जैसी बात,
जब शाम ढला करती थी
न जाने हो जाती थी कब रात ?
क्यों नहीं अब कर पाती, मैं फिर से तुमसे बात ?
मस्ती भी अब छूट गई, जब होती है बरसात....
डर लगता है चढ़ते हुए, कोई भी हो शाखा,
घबराकर दिल ये कहता है कि, हो जाऊँगी मैं राख।
सुनकर मेरी व्यथा को मुझसे, पेड़ थोड़ा मुस्कराया,
फिर प्यार से उसने हँसकर, हवा का झोंका लहराया...
बोला धीमे से मेरे कान में, सुनो मेरे बदलने का वो राज़,
जिससे सुनकर हँसेगा, सारा निर्दय मानव समाज।

मैत्री. डी. सांघवी (११ वीं)
सर. जे. जे. हाईस्कूल, नवसारी

लादुना रुकमनी शंकरलाल
मॉडर्न इंग्लिश सेकेंडरी स्कूल, नवसारी

विकास पथ

प्रकृति कहती है हमसे कि,
मुझे बचाकर तुम बचो।
मुझ में ही अस्तित्व तुम्हारा,
संभाल कर मुझे तुम रहो।
मैं हूँ नदिया मैं हूँ झरना,
मैं ही पर्वत, वन - उपवन।
मैं ही हूँ सुनहरी हवा,
मैं ही सुंदर फूल और फल।
विकास के पथ पर चलते हो तुम,
ध्यान रखो मेरा हे जन।

विक्रम जब्बरसिंह राजपुरोहित (११ वीं)
शाला – श्री शांताराम भट इंग्लिश मीडियम स्कूल, मोता, सूरत

कृतिका अग्रवाल (8 वीं) तृतीय पुरस्कार,
सर जे. जे. प्राईमरी स्कूल, नवसारी

इंसान वही

पेड़ फूलों को मत तोड़ो
छिन जाएगी मेरी ममता
हरियाली तो मत हरो।
पेडों की छाया में ही तो,
पक्षी का रैन बसेरा है,
इनके जैसे हम है,
और कहने को जीवन मेरा है।
फूल, फल, हवा सुगंध,
यों सब तो देते रहते हैं।
मीठे-मीठे फल इनके,
बच्चों को कितना भाते हैं,
इनका ही तो रस लेकर,
भौंरें मस्त मगन हो जाते हैं।
इन्हें देखकर तो कोयल भी,
देखो नगमे कैसे गाती है।
जो समझेगा इनका दर्द,
इंसान वही कहलाएगा।

भावी पुश्कर मिस्त्री (९ वीं)
श्री शांताराम भट इंग्लिश मीडियम स्कूल, मोता, सूरत

वैष्णवी वी व्यास, (८ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

प्रकृति का शोषण

पर्यावरण है हम सब की जान,
इसलिए करो इसका सम्मान,
जिनके दम पर कायम साँस हमारी,
कहाँ से आएगी संजीवनी हवाएँ।

तापमान अगर बहुत बढ़ा,
तो जीना होगा मुश्किल,
प्रकृति का मत करो शोषण,
सब मिलकर बचाएँ पर्यावरण।

नष्ट पर्यावरण को करके,
अपने ही पाँव पर कुल्हाडी,
क्यों मार रहे हैं इंसान,
निकट बुलाता पास बिठाता,
ठंडी छाया देता पेड़ ।

इसलिए आज बदलनी ये सोच है,
चलो आज ये कसम उठाएँ,
मिलकर पर्यावरण को मित्र बनाएँ,
धरती पर हरियाली लाएँ।

अस्मिता पटेल (११ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

ज़िन्दगी की सीख

(प्रकृति का दर्पण)

कुदरत ने दिया है, अमूल्य नजराना हमें,
जिन्हें जानते हैं, हम पर्यावरण के नाम से।
सब कुछ हमें इसी से मिला है,
तभी तो अपना जीवन बगिया सा खिला है।
उसे ऐसे ही प्रदूषित करते रहे तो,
क्या होगा प्रकृति का, डरो इस अंजाम से।
जब भी सोती हूँ, प्रकृति की गोद में,
तो सुकून मिलता है, जैसे माता की गोद में।
अच्छा लगता है, सबको चिड़िया का चह-चहाना,
लगता है सुन रही हूँ, कोई मधुर सा गाना।
गाने में खनक है, निसर्ग से जुड़ी बातों की,
आवाज़ है जिसमें हवा, पानी और पत्तों की।
खुशबू है ऐसी, फूलों की जो हौसला दे,
मुसीबतों से लड़ने का।
यही तो जिंदगी सिखाती है हमें,
फलसफा आगे बढ़ने का।
है अधूरा जीवन हमारा,
जल, जंगल, जमीन के बिना।
जैसे हम साँस नहीं ले पाते,
धड़कनों की हलचल के बिना।
तकलीफ पहुँचाओगे अगर तुम इन्हें,
खुद ही तकलीफ में घिर जाओगे।

प्रांशु हिमान्शुभाई शंघाडीया (६ वीं)
आश्रम शाला इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

देशमुख उर्वी कैलाशभाई (12 वीं)
श्री सरदार पटेल विद्याभवन जलालपोर, नवसारी

कश्मीर से काशी

एक साथ सब मिलकर चलो,
स्वच्छ रखेंगे देश को यह वादा कर लो।
चलो, भारत देश के वासी,
प्रतिज्ञा लो स्वच्छ रखेंगे कश्मीर से काशी।
एक साथ मिलकर आगे बढ़ो,
स्वच्छता के साथ-साथ देश को बढ़ाओ।
ना डालेंगे कचरा इधर-उधर,
क्योंकि स्वच्छ रखना इधर।
गर्व है हमको हमारे देश पर,
गर्व से कहते हैं, प्यारा तिरंगा है हमारा।
गर्व से स्वीकारते हैं, मातृभाषा है हिन्दी हमारी,
गर्व से स्वीकारते हैं, मातृभूमि है प्यारी हमारी।
हर फूल में तिरंगा प्यारा,
अरे देखो तो कितना है न्यारा।
हर दिल में बसता है हिन्दुस्तान,

जयसिकाबेन जितेन्द्रकुमार पटेल
डिवाईन पब्लिक स्कूल, नवसारी

आँगी एम सोमानी
(11 वीं) तृतीय पुरस्कार
सर. जे. जे. प्राईमरी स्कूल, नवसारी

स्वच्छता से समंदर मेरा भारत

भारत को स्वच्छ बनाना है मित्रों,
भारत को स्वच्छ बनाना है,
आज हम सब को मिलकर कदम उठाना है,
आज बनाओ सभ्य अपना आचरण,
जिस से होगा स्वच्छ अपना पर्यावरण,
तभी उठेगी आशा की एक किरण,
जो देगी अपने जीवन का विवरण।
स्वच्छता से ही दिव्यता है,
स्वच्छता से ही हमारा भाग्य,
तो करो साकार अपनी सोच,
बढ़ा कर कदम स्वच्छता की ओर।
स्वच्छता से हमारे जिंदगी का निर्माण,
स्वच्छता से होगा गली-गली में पेड़,
स्वच्छता से होगा पर्यावरण का कल्याण,
स्वच्छता से ही होगा जीवन का उपकार,
तुझसे मेरा जीना पर्यावरण,
तुझसे ही मेरा मरना,
तेरी छाया के हम दिवाने।

साफ़ सुथरा मन साफ़ सुथरा मन,
साफ़ सुथरा तन साफ़ सुथरा वतन,
साफ़ सुथरा शरीर साफ़ सुथरा भविष्य,
साफ़ सुथरा भविष्य साफ़ सुथरा देश।
उठाके झाडू देश साफ़ करेंगे,
अपने देश को स्वयं साफ़ करेंगे,
अपना देश रोशन करेंगे,
अपने देश की शान बढाएँगे।
तभी स्वच्छ होगा अपना जीवन मित्रों,
तभी साफ़ होगा अपना जीवन।
तुम हमारी शान हो पेड़,
तुम हमारी रोशनी हो,
तेरे बिना कोई नहीं मेरा,
तेरे सिवा कोई नहीं मेरा।
तभी स्वच्छ होगा अपना जीवन मित्रों,
तभी साफ़ होगा अपना जीवन।

चंचल शर्मा (7 वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

बापू का सपना

ये बापू की भारत भूमि है।
हमें इसे सजाना है, स्वच्छ रखना है।
बापू की राह पर चलेंगे,
हम स्वच्छता के गुण गाएंगे।
स्वच्छता का संदेश लेकर,
घर-घर हम जाएंगे ।
अपनी सुंदरता की खातिर सभी सोचते हैं,
देश की बारी आती है, तो चुप हो जाते हैं ।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएँ, जैसे बापू ने बढ़ाया था।
मिलकर गाएँ स्वच्छता का गान।
मिलकर बढाएँ कदम, होगें हम कामयाब ।
एक कदम स्वच्छता की ओर, चारों ओर ।
बापू का ये सपना है, हमें साकार करना है |

चावड़ा जागृति विनुभाई (८वीं)
श्री सरदार पटेल विद्याभवन जलालपोर, नवसारी

रुशिक प्रजापति,
(१० वीं) द्वितीय आश्वासन पुरस्कार
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

नैतिक ज़िम्मेदारी

पानी है जो तुम्हें सफ़ाई
शुरुआत भी तुम्हें करनी है।
क्यूँ देखते मुँह ताकते,
पहल भी तुम्हें ही करनी है।
बिगाड़ा है तुमने जो,
सुधार उसका करना है।
करनी है तुम्हें साफ़-सफ़ाई,
यह कोई बोझ नहीं।
कर्तव्य है यह हम सबका,
यह कोई शर्मनाक काम नहीं।
मोदी जी ने बहुत कहा था,
लाज रखो अपने देश की।
गाँधीजी का था यह सपना,
स्वच्छता में हो आगे देश अपना।
हमें नैतिक ज़िम्मेदारी लेनी होगी,
भारत को स्वच्छ रखने की।
आओ हो जाएँ हम तैयार,
करे सफ़ाई द्वार-द्वार।

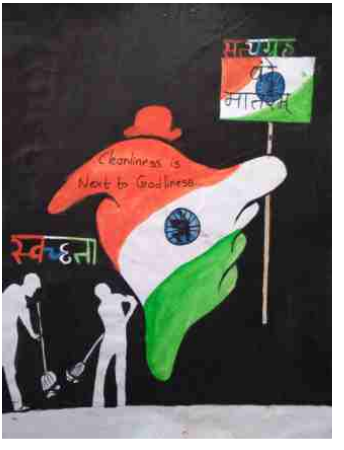

शिखा जिग्नेश भाई सोलंकी,
कक्षा ९ वीं
मॉडर्न इंग्लिश सेकंडरी स्कूल, नवसारी

पार्थिवि. एस. पटेल (८ वी)
डिवाईन पब्लिक स्कूल, नवसारी

अनसुनी कराहें

पेड़ काटने से पहले बहुत सोचना,
यहाँ बसेरा होगा किसी परिंदे का
न पा संजोया आशियाना अपना,
सोचेगा, काम है किसी दरिन्दे का ।
आज करके अनसुनी उसकी कराहें,
रंग लाएगी उसकी बद दुआएँ,
न होना हैरान परेशान, जब
महरूम वर्षा से हो जाएँ ।
दबाकर पर्यावरण की आहें,
तू खुद पछताय और रोए
जिनके दम से साँसे तेरी ।
लाएगा कहाँ से संजीवनी हवाएँ ?

राजपूत प्राची. एच (११ वीं)
सर जे. जे. इंग्लिश मीडियम हाईस्कूल, नवसारी

दीपिका दिलीपभाई प्रसाद,
११ कॉमर्स, द्वितीय आश्वासन पुरस्कार
श्री सरदार पटेल प्राथमिक शाला, जलालपुर, नवसारी

वृक्ष बिना ना जीवन

वृक्ष की छाया में ही
तो पंछी रहते हैं
इनके होने से हम हैं
और कहते है जीवन मेरा है ।
ध्यान से देखो जरा इन्हें
ये भी तो कुछ कहते हैं ।
फल, फूल, हवा की सुगंध
ये सब देते रहते हैं ।
मीठे–मीठे फल इनके
बच्चों को अच्छे लगते हैं ।
पत्तियाँ ताजी हरी तो कभी
सूखकर सुनहरी हो जाती हैं ।
इनको जो काट गिराओगे
तुम भी न बच पाओगे ।
इनके बिना न जीवन अपना
इनकी रक्षा काम है अपना ।
हर एक जो पेड़ लगाएगा
वो नेक काम कर जाएगा ।
जो समझेगा पीड़ा दर्द इनका
इन्सान वही कहलाएगा ।

कासली इकरा असलम, (८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल नवसारी

संघवी श्रेया कमलभाई (११ वीं)
सर जे. जे. इंग्लिश मीडियम हाईस्कूल, नवसारी

स्वच्छता की अभिलाषा

हाथों में झाड़ू हृदय में आशा
    भारत को स्वच्छ करने की आज है मेरी जिज्ञासा ।
आज लोगों में लानी है स्वच्छता की अभिलाषा
    तभी जगेगी भारत को स्वच्छ करने की लालसा ।
गीता का यह मंत्र है सरल, कहीं लोग दोहराते हैं ।
    दुर्लभ वह जो निज जीवन में, करके इसे दिखाते हैं ।
है जीवन ही सन्देश मेरा, गाँधी के वाक्य सुने हमने
    राष्ट्रपिता के जन्मदिवस पर, पूर्ण करे उनके सपने ।
थूके नहीं सड़क पर बिलकुल, नाक न अपनी साफ करें ।
    तम्बाकू पान तम्बाकू गुटखे की आदत का उपचार करें ।
कूड़ेदान में कूड़ा डालें, आज से यह शुभ काज करें ।

हर्शवी नियोलीया (८ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

जय पी पटेल (१० वीं,)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

जीवन का उद्धार

चलो मिलकर ये कसम खाते हैं,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं ।
मिलकर आज कसम खाते हैं,
प्रदूषण को दूर भगाते हैं ।

मानव तूने अपने स्वार्थ के लिए,
वातावरण को प्रदूषित किया ।
पर्यावरण ने तुझे सब कुछ दिया,
हमारे जीवन का उद्धार किया ।

फिर भी मानव पेड़ काटता है,
अपना जीवन संकट में डालता है ।
पर्यावरण स्वच्छ न होता तो
जीवन में रंग ही न होते ।

चलो मिलकर ये कसम खाते हैं,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं ।
मिलकर आज कसम खाते हैं,
प्रदूषण को बहुत दूर भगाते हैं ।

देसाई टिशा वाय (९ वीं)
सर. जे. जे. इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

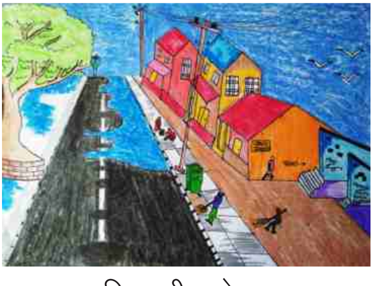

प्रिन्स वी गजेरा,
(७ वीं) प्रथम आश्वासन पुरस्कार
सर. जे. जे. इंग्लिश मीडियम स्कूल , नवसारी

पहले कौन ?

मेरा स्वच्छ भारत देश है, सबसे महान है |
रखना चाहिए हमें इसका, और भी ध्यान |
फैलाए न कोई यहाँ, गंद और गंदगी |
मगर पहली शुरुआत, तो हमें ही करनी है ।
चलो, उठो, जागो, समय बहुत कम है,
जल्दी अपना देश स्वच्छ बनाओ |
मगर शुरुआत तो हमें ही करनी है |
न सोचे, गंद नहीं की सफाई, क्यों करें ?
कभी न कभी की, भूल जरुर याद करें |

पटेल वैशाली ए (८ वीं)
हेमाली इंग्लिश प्राईमरी स्कूल, नवसारी

कसक डी नायक,
कक्षा 8 द्वितीय आश्वासन पुरस्कार -
सर जे जे प्राईमरी स्कूल, नवसारी

स्वच्छता अपनाएँ

हम हैं स्वच्छ भारत की संतान,
        नहीं बनाएँ भारत को कूड़ादान |
वहीं है हमारा मान और सम्मान,
        रखेंगे साफ हमारा भारत महान |
अब हम मिलकर ये तो करें,
        सब मिलकर शुरुआत करें |
अब कुछ भी हो चाहें हम,
        भारतमाता को सुन्दर – स्वच्छ बनाएँ |
गंदगी को भगाना है,
        स्वच्छता को अपनाना है |
आओ हम कदम बढाएँ |
        भारत को स्वच्छ बनाएँ |
अब हम कुछ करें ऐसा काम,
        जिससे बनी रहे देश की शान |
धरती माता करे पुकार,
        आसपास का करो सुधार |

कुमावत किरण आर (८ वीं)
संदीप देसाई प्राथमिक विद्यालय, चोवीसी, नवसारी

ईंटवाला हीरल अनिलभाई (७ वीं)
आश्रमशाला भक्ताश्रम इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

कोशिश करें

मेरा भारत प्यारा, न्यारा
मेरे सपनों का भारत
मेरा स्वच्छ- सुन्दर भारत ।

देश के छोटे गाँव-बड़े शहरों में
और उनके गलियारों में,
कहीं पर है मिटटी के ढेर......
तो कहीं पर है कूड़े – कचरे का गीलापन
ना कहीं शौचालय, ना कहीं कूड़ादान
कहीं पर है गंदी नदी कहीं पर गंदे नाले !

जो शहरों की ओर नज़र उठाये मुँह चिढ़ाते
दिखते उससे भी ज्यादा गिरते
पढ़े लिखे और अनपढ़ में क्या अंतर बोले ?

कोशिश करें हम साथ मिल कर...
पहले अपने मन को धोलें,
गली मोहल्लों, गाँव और शहर को
मिलकर स्वच्छ बना लें
बापू के भारत को मिलकर,
सपने को साकार बना लें
अपना भारत स्वच्छ बना लें ।

प्रतीक डी शाह (७वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

विदिशा कमलेशकुमार मिस्त्री,
(८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

स्वच्छता की लहर

शहर-गली में चर्चा है,
स्वच्छता अभियान की,
आओ बच्चों तुम्हें बताए,
महता कचरा दान की |

बिना प्रबंधन बीमारी,
फैले जो दुश्मन जान की,
करता मदद किसान की |

शहर गली में चर्चा है,
स्वच्छता अभियान की,
लहर चल रही सभी जगह,
मोदी के अभियान की |

पोलीथिन विकल्प नहीं है,
बंद करो इस थैली को |

उठा लो झाड़ू, उठा लो पोंछा,
पहुँचो ऐसी जगह जहाँ कोई न पहुँचा हो,
सभी जगह को हम चमकाएँ,
बस सपना है यही मेरा,
कर्मों से महान बनाना है |

प्रीत एच. पटेल (८वीं)
डिवाईन पब्लिक स्कूल, नवसारी

ध्रुती नवनीत भाई पटेल,
११ वीं द्वितीय पुरस्कार
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

जीवन हरा बनाओ

श्रेष्ठ भारत हो हमारा सपना,
स्वच्छ भारत हो हमारा,
हरी – भरी फसलें हों हमारी,
यही है हमारे भारत के पर्यावरण की प्रकृति सुनहरी ।

प्रदूषण को दुनिया से हटाओ,
पेड़ –पौधे को अपनाओ,
जब रहेगी हर गली दुनिया की साफ,
यही है हमारे स्वच्छ भारत की आस ।

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ,
अपना जीवन हरा बनाओ,
हम भी बीज बोएंगे,
अपना जीवन हरा भरा बनाएंगे ।

पेड़ – छाया पक्षियों का रैन बसेरा,
इनके होने से है जीवन मेरा,
रखे संभाले इस धरती को,
अभी समय है अभी न देर ।

गाँधी प्रेयसी धर्मेश (९ वीं)
सर. जे. जे हाईस्कूल, नवसारी

वेकरिया धृति प्रतिककुमार (८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

लहराती हरियाली

भारत हमारा घर, वही हमारी जान |
भारत को साफ रखने में हमारी शान है
गंदगी को हमें नहीं करना है माफ़ |

स्वच्छ भारत को आप नहीं अपनाओगे
तो आप भारत में बीमारियाँ फैलाओगे |

ये तो घर आपका अपना है
इस घर को नहीं तो किसे स्वच्छ कर पाओगे |

भारत में लहराती हमें हरियाली हरियाली
चाहे साफ करना पड़े गली – गली या नाली |

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत है हमारा अभियान
करेंगे पूरा, रहेगी जब तक जान |

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत हमारा अभियान
तो हो होगा हमारा देश का कल्याण |

मोदी हनी आर (७वीं)
हेमाली मोर्डन इंग्लिश सेकंडरी स्कूल, नवसारी

फ़र्ज़ हमारा

आओ सब मिलकर लगाएँ पेड़,
सब बढाओ एक कदम स्वच्छता की ओर,
स्वच्छता की ओर देना है हमें ध्यान,
सब मिलकर शुरू करो स्वच्छता अभियान ।
हम रहेंगे स्वस्थ जब होगा शुद्ध वातावरण,
हमारा एक ही नारा स्वच्छ पर्यावरण ।
मत करना तेरा मेरा, सब हमारा है
स्वच्छ पर्यावरण का फ़र्ज़ है हमारा ।
हमें रख साफ इस प्रकृति को,
बनाएँगे स्वच्छ सुंदर इस धरती को ।
साफ होगा रास्ता, मैदान, मकान या घर,
कचरा होना चाहिए डिब्बे के अंदर ।
आप सब हमारे देश को स्वच्छ बनाओ,
और ऐसी ही स्वच्छता को चारों ओर फैलाओ ।
तो आओ हम सब मिलकर यह कसम खाएँ,
सुन्दरता एवं स्वच्छता फैलाकर, स्वच्छ भारत बनाएँ ।

विनीत आशीष ठक्कर (९ वीं)
हेमाली मार्डर्न इंग्लिश सेकंडरी स्कूल, नवसारी

राठोड उर्जा परमेशभाई (७ वीं)
श्री सरदार पटेल प्राथमिक शाला जलालपोर, नवसारी

गांधी जी का स्वप्न

पर्यावरण मानव का साथी,
मानव न समझे ।
अधूरा है ये जहान,
पर्यावरण अगर न हो ।
पर्यावरण मानव का साथी ।
महान गाँधी का स्वप्न,
स्वच्छ पर्यावरण हो हमारा,
न समझे ये देशवासी
अनमोल पर्यावरण का महत्व
पर्यावरण मानव का साथी ।
गांधीजी का स्वप्न था,
है मोदीजी का स्वच्छ भारत ।
है महत्वाकांक्षी ये दोनों,
क्यों न समझे देश के लोग ।
पर्यावरण मानव का साथी ।
पर्यावरण का विनाश,
मानो धरती का विनाश ।
परंतु पर्यावरण स्वच्छ हो तो,
हो मानव जाति का विकास ।
पर्यावरण मानव का साथी ।

शाह जहान चिंतन (९ वीं)
सर जे. जे. स्कूल, नवसारी

कृष दीपकभाई आहिर
(६ वीं)
आश्रम शाला इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

स्वस्थ रहेगा देश

आओ हम सब मिलकर एक नया सबक अपनाएँ,
देश को अपने स्वच्छता की तरफ ले जाएँ |
निकलेंगे घर से हम अपनी आन से,
स्वच्छता अपनाएंगे बहुत शान से |
बापू ने लिया था एक कदम स्वच्छता की ओर,
लो हम भी जुड़ते हैं इस अभियान में |
स्वच्छ रहेगा देश मेरा तो ही स्वस्थ रहेगा देश मेरा |
करते है शुरुआत अपने घर पर,
कूड़ा कचरा ना डालेंगे रास्तों पर |
रहेगा हमारा गाँव स्वच्छ तो ही रहेगा हमारा देश स्वच्छ |
अब सब कहेंगे एक ही नारा,
स्वच्छ रहेगा देश हमारा |

ओम पी. शेवाले (६ वीं)
सर जे. जे. इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

हेली पटेल, (९ वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

बापू का नारा

स्वच्छ भारत होगा हमारा,
है यही लक्ष्य हमारा ।
देश हमारा सबसे न्यारा,
भारत है हम सबका प्यारा ।
आओ हम सब मिलकर करें सफाई,
है यही हमारी नैतिकता भाई ।
गली–कूचे सब साफ करेंगे,
शौचालयों का प्रयोग करेंगे ।
साफ हो जाएगी हम सब की गलियाँ,
हर तरफ खिलेगी खुशबू और कलियाँ ।
गाँधी बापू का ही था ये नारा भाई,
यही है हम सब का है नारा अब
साफ सुथरा रहे देश हमारा ।
स्वच्छ भारत का अभियान हो कामयाब,
स्वच्छता हमसे सीखें थोड़ा प्रयास करें,
स्वस्थ भारत, आप ही नई शुरुआत करें ।

रिया प्रवीनकुमार मेहता (६ वी)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

मैसूरिया विशाखा ज़वेरभाई
द्वितीय पुरस्कार - (8 वीं)
संदीप देसाई प्राथमिक विद्यालय, नवसारी

विकल्प

शहर गली में चर्चा है,
स्वच्छ भारत अभियान की,
आओं बच्चे तुम्हें बताएँ,
महत्ता कचरा दान की
कूड़ा हमेशा कूड़ेदान में डालो,
स्वच्छ भारत बनायेंगे
कपड़े की झोली विकल्प है,
पोलीथिन की थैली की
लहर चल रही और,
मोदीजी के अभियान की,
स्वच्छता को नहीं अपनाएंगे तो,
बीमारियाँ ही लाओगे
शौच करने शौचालय में जायेंगे,
बाहर गंदगी न फैलायेंगे
शौच बाद हाथ, साबुन से धुलायेंगे,
स्वच्छता को अपनाना है,
गंदगी दूर भगाना है
स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत|

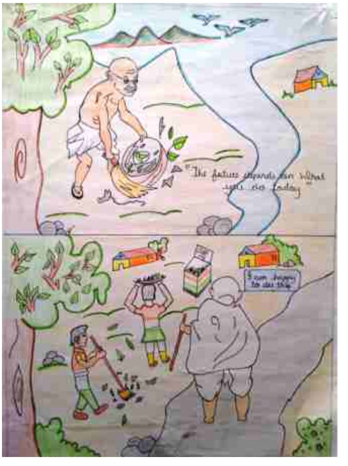

विधि ए पटेल,
(८ वीं)
डिवाइन पब्लिक स्कूल, नवसारी

पटेल ख़ुशी वसंतभाई (७ वीं)
हेमाली माडर्न इंग्लिश सेकंडरी स्कूल, नवसारी

स्वच्छता का पैगाम

है मेरा एक प्यारा भारत,
स्वच्छ हो यह भारत अपना।
मेरे एक सपने को आगे बढ़ाओ,
स्वच्छ भारत अभियान चलाओ।

स्वच्छता का हथियार उठाओ,
सारी बीमारी दूर भगाओ।
आओ मिलके हाथ बढाएँ,
स्वच्छता का एक सवेरा लाएँ।

अपने लिए बहुत कमाया,
देश में सिर्फ कचरा फैलाया।
आओ अब सब एक हो जाएँ,
देश से सारा कचरा हटाएँ।

भारत माँ की है ये पुकार,
सुंदरता है मेरा अधिकार।
मुझको फिर से सुन्दर बनाओ,
स्वच्छता का पैगाम फैलाओ।

स्वच्छता से होगा देश का विकास,
सारे जहाँ में होगी इसकी जय जयकार।
तो आओ मेरे सपने को आगे बढ़ाओ,
स्वच्छ भारत अभियान चलाओ।

फातेमा पठान (६ वीं)
बाई नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

मुस्कान शेख (८ वीं)
बाई नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

कितना नुकसान

मेरे वतन तुझे प्रणाम
हमारे मन की स्वच्छता की बात,
आओ हम सब मिलकर,
पेड़ों को काटने से बचाते हैं ।
आओ हम मिलकर कसम खाते हैं,
प्रदूषण को दूर भगाते हैं ।
मानव तूने अपनी जरुरत के लिए,
कितने पेड़ काटे हैं ।
क्या तूने पेड़ काटने के बाद,
तूने पेड वापस उगाये हैं ।
तूने खुद के लिए,
प्रदूषण से कितना नुकसान पहुँचाया ।
कुछ बूंदों के लिए जिस धरती को चीर डाला,
क्या तूने धरती में किसी पौधे का बीज डाला ।
पर्यावरण ना होता तो जीवन में रंग कैसे होते
पर्यावरण ना होता तो पेड़, फूल, फल नहीं होते ।
आओ मिलकर कसम खाते हैं ।
पर्यावरण को स्वच्छ बनाते हैं ।

भंडारी ध्रुवी धर्मेशभाई
श्री सरदार पटेल विद्याभवन जलालपोर, नवसारी

बदलाव लाना

एक कदम उठाएंगे स्वच्छ भारत बनाएंगे।
सबकी नींद उडाएंगे एक स्वर्णिम इतिहास रचने को।
किशोरों ने ठाना है सफ़ाई के अभियान में,
अब कुछ नया कर दिखाना है।
और नया बदलाव लाना है।
बापू का नारा है। स्वच्छ भारत बनाना है।
स्वच्छता उन्नति का आधार है।
लम्बे जीवन का सार है।
गाँव शहर को अपना घर मानकर।
निर्मल स्वच्छ है उसे भी रखना।
न थूको कभी अपनी धरतीमाता पर।
आदत बदलो, न करो किसी का इंतज़ार।
अपनी मातृभूमि को माँ समझकर।
स्वच्छ भारत अभियान से,
देश की धरोहर में ये बदलाव कर।

शेफाली योगेशकुमार पटेल (७ वीं)
सर. जे. जे. हाईस्कूल, नवसारी

आदर्श ए. ठाकुर (१० वीं) तृतीय पुरस्कार
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

मुक्त विचार

इन्सान का जन्म होता है भगवान का वरदान,
वो इंसान होता है भगवान जो सोचता है औरों के जीवन।
ख़ुद के लिए सोचना तो है बहुत ही आसान,
दूसरों के लिए जीना और सोचना तो लगता है बहुत ही कठिन।
वो इन्सान जो सोचता है दूसरों का उत्थान,
वह इन्सान बन जाता है महान और इंसानों में भगवान।

कुछ कर गुज़रने के लिए सोचना ज़रूरी है,
संसार में समस्या का समाधान करना भी उतना ही ज़रूरी है।
सोचने के लिए सोचना बहुत जरूरी है,
सभी इंसानों के लिए यह निर्वाह करना भी उतना आसान नहीं है।

सोचना तो है सोचने वालों का काम,
ना चाहते हैं वो कोई इनाम और मुकाम।
बस कुछ नया करने के लिए आती है मन में उमंग,
दूसरों के हित के लक्ष्य की सदैव उठती है मन में तरंग।

दुनिया में आए लोग अनेक, उनमें कई नेक,
जिन्होंने छोड़े संसार के लिए सोचने के उदाहरण अनेक।
राजनीति, अर्थनीति और कूटनीति इत्यादि विषयों में बहुत,
सब से ऊपर रखते थे देश की प्रगति का रास्ता बहुत।
इस रास्ते के पथिक हम आज अनेक।

विशुद्ध सोच की धारा अत्यंत कठिन,
जिन्होंने ने सोचा वो बने महान।
आओ मेरे प्यारे सज्जनों और विद्वानों,
छोड़ो अपना स्वार्थ और अभिमान,
चलो मिलकर सोचें और बनाएँ हमारा प्यारा भारत देश महान।

विभूति नारायण बिस्वाल
प्राचार्य
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

विलीन

स्वच्छ रहेंगे दिव्य बनेंगे
निखरा-सुथरा देश रखेंगे
पहले अपना कर्म टटोलें,
स्वच्छ-दिव्य का नारा बोलें ।

खाकर गुटखा, पान, तम्बाकू
क्यों, दीवारें रंग डाली हैं ?
गंगाजल जल अमृत न रहा,
उसमें भी गन्दगी डाली है ।

पूर्वज भी अब वहाँ दुखी हैं
धरती का क्या कर डाला है
गली गली में पोलीथिन है
इससे हर नाला भर डाला है ।

ओ मानव! अब तू जाग
नहीं तो फिर पछताएगा
मिट्टी से ही जन्मा है
मिल भी उसी में जाएगा ।

नहीं हुआ ऐसा तो बन्धु
काल का ग्रास बनेंगे जल्दी
अभी अग़र नहीं चेते तो
फिर कोई नहीं बच पाएगा ।

पान, तम्बाकू, गुटखा छोड़
पोलिथीन का त्याग करेगा
आस-पास भी साफ़ रखेगा
अपना भारत स्वच्छ रहेगा ।

तन मन स्वच्छ रखो अपना
सपना पूर्ण करो अपना
हर घर चिराग़ रोशन होगा
तभी दिव्यता भी आएगी ।

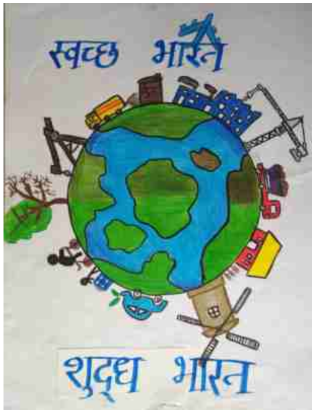

हार्दी जे पटेल.
कक्षा ९ वी
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

दिनेश प्रजापति
हिन्दी शिक्षक
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

विघटन

हर जन का है, बस यही एक सपना,
सब ओर हरियाली हो और खुला आकाश,
शुद्ध रहे वायु, स्वच्छ जल हो अपना,
बिखरे सुगंध, न हो दुर्गंध कहीं,
है सब ओर, प्रदूषण ही प्रदूषण,
दूषित नदियाँ, विलुप्त हो रहे वन,
बढ़ा तापमान, विकल हो रहा है मन,
तेज हैं धड़कने, आँखों में है ज्वलन ।
नित बढ़ रहा, प्रकृति का असंतुलन,
न घटा, वनों का उन्मूलन ।
लकीरें न मिटाओ कुदरत की,
कुछ शान रहने दो,
अवशेष ये भी रह जाएँ,
प्रकृति में जान रहने दो ।
आसमां में विचरते हुए,
परिंदों को उड़ान भरने दो,
ज़िंदगी सब को है प्यारी,
जीवन की चाह पलने दो ।

बद्रीनाथ मिश्रा
हिन्दी शिक्षक
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

ध्रुव ए पटेल (१० वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

उन्नति के नाम पर

हे परमेश्वर, दया निधान !
कितनी सुन्दर रचना की थी
आपने इस सृष्टि की
झर-झरता शीतल नीर
हरे भरे वन-उपवन की ।
सुन्दर सुन्दर पंछी-प्राणी
बिखरती थी सुन्दरता चारों ओर
खिलती कायनात निहार जिसे
आज क्या दुर्गति कर डाली ।
ज़हर भरपूर मिलाया नीर में
मर ही रहे सब पंछी प्राणी
साँस भी लेना हुआ है दूभर
उन्नति के नाम पर तूने
विनाश लीला रचा डाली ।
अभी समय है, चेत जा मानव
खुद पर मत चला आरी
अपने भविष्य से खिलवाड़ न कर
फिर से लहलहा दे इस धरती को
जो समस्त प्राणियों का आधार
कर कोटि नमन कर जननी को
तभी खुलेगा उन्नति द्वार
होगा भावी पीढ़ी का उद्धार ।

स्टीव कुंदन पटेल,
(८ वीं)
डी. जी. पटेल (पुनागाम) गुरुकुल, सूरत

चेतना पटेल
हेडमिस्ट्रेस
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

धरती स्वर्ग हमारी

सुन्दर सुन्दर फूल खिले हैं
धरती स्वर्ग हमारी,
हैं मनमोहक बाग बगीचे धरती है यह न्यारी ।
प्यारे प्यारे पक्षी देखो कलरव करते हैं,
इस डाली से उस डाली पर
उड़ते रहते हैं ।
कोयल मीठा गाना गाती,
मोर सुन्दर नृत्य दिखाता ।
हिरन चौकड़ी भर के भागे,
सुबह सवेरे सब से आगे ।
खट्टे मीठे फल भी हम को
पेड़ से मिलते हैं,
तेज धूप में छाँव ये देते
रक्षा करते हैं ।
ऐसी सुन्दर सृष्टि को
अब हमें बचाना है ।

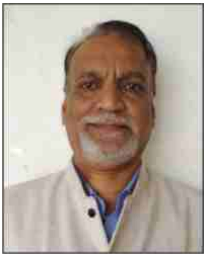

दिनेश भट
संगीत शिक्षक
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

कृनाल अजयभाई ओढ़
(९ वीं) प्रथम आश्वासन पुरस्कार,
सेठ आर. जे. जे. हाई स्कूल, नवसारी

प्रकृति से प्रीति

हे बाल सखा औ बाल सखी
सुन बात पते की बाँध सखी
जीवन गर चैन से जीना है,
बस, एक तो पौधा रोप सखी
कातिल काट रहे पेड़ों को
उनको तो अब रोके कौन
सभी हुए हो क्यों मौन ?
तुम्हीं करो कुछ सखा सखी|
मेरी मानो पेड़-पौध लगाओ
इस धरती का श्रृंगार बढ़ाओ
नहीं बनेगी वरना कोई कहावत
कि एक तो करेला और नीम चढ़ा ।
मोटर गाड़ी मत दौड़ाओ
ईंधन जितना हो सके बचाओ
आने वाली पीढ़ी को अपनी
यही धरोहर देकर जाओ ।
अपना सुख देखोगे ग़र
तो संतति कौन बचाएगा ?
पशु और मानव सब तरसेंगे
मनुज का सर्वनाश हो जाएगा ।
हे बाल सखी औ बाल सखा
पौध रोप फल ही पाएगा,
प्रीति प्रकृति से ही अच्छी
हर जीव सुखी हो जाएगा ।

प्रीति एच सोनी
नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

सिद्दार्थ ए पटेल, (१० वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

हमारा कर्त्तव्य

आओ ऐसा कुछ काम करें
जिससे देश का नाम बढ़े।
इधऱ-उधर कभी कूड़ा न डालें,
कूड़ेदान का हमेशा उपयोग करें।
प्लास्टिक का करें त्याग,
इसी में है सब की भलाई।
पेड़ पौधों को काट काटकर,
बना लिये हमनें बड़े बड़े महल।
कभी सोचा है कि यह,
प्रकृति ही न रहेगी,
तब हमारा अस्तित्व कहाँ रहेगा ?
जितना हमनें स्वयं को सजाया,
उतने धरती पर पेड़ सजाएँ।
आओ प्रकृति संरक्षण में,
अपना सहयोग बढ़ाएँ।
आओ ऐसा कुछ काम करे,
जिससे देश का नाम बढ़े।

श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी
सामूहिक कार्य

योगेश. ए. पटेल
हिन्दी शिक्षक
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन, नवसारी

पर्यावरण चेतना

ओढ़ी है काली चादर मेरे शहर ने,
देखूँ चारो तरफ तो धुआँ ही धुआँ है ।
सड़के हैं भरी अनगिनत वाहनों से,
कुछ सालों पहले लगाई पौध कहाँ है ?
प्रगति होड़ में अन्धाधुन्ध दौड़ यहाँ है,
खत्म हो रहे हैं ईधन, सौर ऊर्जा का व्यवहार ।
बहती नदियों की श्रृंखला, पर जन-जीवन बेबस है,
रसायनों से यह भर रही है, भविष्य का क्या है स्वप्न ?
फल फूल भी खिल उठेंगे, जैविक खाद अपनाओ कभी,
मुहीम संरक्षण की शुरू हुई है, जीवन भर निभाओ अभी
होगा शुद्धिकरण पर्यावरण का जब हर मानव जागृत होगा
संसाधनों का कम उपयोग, भावी पीढ़ी को लाभ होगा ।

रोमा जोशी
शिक्षिका
बाई नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

सुथार नीयति हितेशभाई (७ वीं)
आश्रमशाला भक्ताश्रम इंग्लिश मीडियम स्कूल, नवसारी

पर्यावरण का हिस्सा

हम हैं निवासी,पर्यावरण के वासी ।
आओं सुनाऊँ किस्सा,
है ये पर्यावरण का हिस्सा ।

रखे ख्याल इसका, रहे हमारा पर्यावरण साफ-सुधरा ।
होने न पायें उत्पन्न, किसी भी प्रकार का असंतुलन,
हुआ है उत्पन्न, दुर्भाग्य वश जो असंतुलन ।

ये है मानव जीवन का आधार,
बिना इनके मानव जीवन है निराधार |
लगातार कटते जा रहे पेड़ |
फिर भी चुप है मानव यह देखे ?

आने वाले कुछ वर्षों में,
खो देंगे हम, स्वच्छ पानी के स्रोत
ढूँढो हर मुश्किल का हल |

भावना सुथार नारायणराम,
(८ वीं)
संदीप देसाई प्राथमिक विद्यालय, नवसारी

बढ़ रहा है प्रदूषण कुछ इस तरह,
है जिम्मेदारी इसे रोकना किस तरह ?
है रोकना बढ़ते प्रदूषण को,
बचाना है पर्यावरण को |

सबसे पहले फैलाएँ पर्यावरण की रक्षा |
बनाना है पर्यावरण को फिर से हरा भरा |
रोकें प्लास्टिक और जल की बर्बादी,
योग्य फिलटर द्वारा दूषित जल का,
करें कम प्रयोग बिजली का,
करें संरक्षण ऊर्जा का |

सहिस्ता परवीन शेख
शिक्षिका
बाई नवाजबाई ताता इंग्लिश मीडियम स्कूल,
नवसारी

प्रकृति प्रेम

ईश्वर द्वारा रचित यह सुंदर प्रकृति,
जिसका उपयोग करता है मानव।
ये पेड़ पौधे और ये फल- फूल,
सब हिस्सा है ये प्रकृति के ही,
इसका नुकसान करता है मानव।
अपने ही स्वार्थ में होकर अंधे,
क्या हो गए हैं हमारे धंधे,
क्या बिगाड़ा है प्रकृति ने हमारा।
जरा सोचो पेड़ ही न रहे तो,
आने वाली पीढ़ी को क्या देंगे।

मोनिका चांपानेरी
हिन्दी शिक्षिका
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन नवसारी

दिया पी पटेल (9 वीं)
श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन नवसारी

ओस की बूँदें

जो कभी झिलमिलाती थी सितारों की तरह
आती थी सुबह सुबह रानियों की तरह
चमकती थी फूल पर, पत्तियों पर, घास पर
सुनहरे गहनों को पहनी हुई दुल्हन सी
सूरज की नजर पड़े तो
सरक जाती थी, मिट्टी को भिगोती हुई।
जी लेती थी, पल दो पल ही सही।
मगर अब ओस की बूँदें आँसू सी दिखती है
बादल और फूलों की पत्तियों के आँसू
काले धुएँ से मलिन, म्लान।
अब वो झिलमिलाना कहाँ ? धुँधली सी बैठी है
मुरझाए से फूल ,पत्तियों पर, घास पर।
पीली सी, धूमिल सी पड़ जाती है
अब दम घुटता है फूलों का, मैली सी ओस से
अनचाहे अतिथि की तरह अपमानित
चली जाती है धूप में सिकुड़ कर
अब नहीं भिगोएगी वो मिट्टी को।
तभी तो मिट्टी का सूखा गला
बादलों को कहाँ पुकारता है ?
तभी तो हम सब प्यासे..सूखे से..
अगर भीगना है तो..
आओ मिलकर मना लेते हैं ओस को--
रोक लेते हैं धुँआ, देते हैं ताज़ी हवा,
और फिर से झिलमिलाएगी,
हमारी किस्मत की तरह...।

डॉ. स्वाति नायक,
प्रोफेसर, बी. पी. बारिया साइंस इंस्टिट्यूट, नवसारी

हमारा कर्त्तव्य

आओ प्यारे पेड़ लगाएँ,
हरी भरी इस धरती को,
स्वर्ग से सुंदर हम बनाएँ... |

आज हमारे देश में सारे,
कटने लगे हैं पेड़ और पौंधे,
क्या मिलेगा आगे चलकर....
इसपे थोड़ा सोच विचार करें,
वरना हम सारे पछताएंगे ।
आओ प्यारे पेड़ लगाएँ..

भूमि जल वायु ये हैं हमारे,
कुदरत की यह अनमोल धरोहर,
इनके बिना जीवन जी नहीं पाएँ,
इसलिए हर मानव को यह बात बताएँ
आओ प्यारे पेड़ लगाएँ..|

आज मनुज निज स्वार्थ के खातिर,
करता प्रदूषित पूरा वातावरण,
स्वच्छ सुंदर हरी भरी प्रकृति,
मिलो में दम घोट रही है,
इसे बचाकर कर्तव्य पूरा हम करें..|

आओ प्यारे पेड़ लगाएँ,
हरी भरी इस धरती को,
स्वर्ग से सुंदर हम बनाएँ...।

जतिनकुमार. पी. टंडेल
प्रधानाचार्य
गणेशसिसोद्रा कन्याशाला, नवसारी

CENTRAL GUJARAT SAHODAYA SCHOOLS COMPLEX

Email: info@centralgujaratsahodaya.org

महोदय,

श्री सत्यसाई विद्यानिकेतन द्वारा सन २०१८ में राज्य स्तर पर जो आठवाँ संस्करण लघु कविताओं का प्रकाशित किया जा रहा है उसका उद्देश्य भाषा को सुदृढ़ तथा रोचक बनाना है। छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यह संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है, जिसमें भाषा के सभी नए कौशलों जैसे लिखना, पढ़ना, सुनना तथा समझना सभी का समावेश है। इसमें कवियों की नई – नई दिशाओं को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण के विषयों को शामिल किया गया है ताकि आगे आनेवाली पीढ़ी हिन्दी कवियों को भुलाने की कोशिश न करें बल्कि उनका अनुसरण करते हुए हिन्दी भाषा को और भी ज्यादा रोचक तथा समृद्धशाली बनाने की कोशिश करें।
मैं आशा करती हूँ कि इस कविताओं के संग्रह के संस्करण की श्रृंखला छात्रों के लिए अत्यंत नवीन एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

धन्यवाद

शुभकामनाओं सहित

श्रीमती प्रियदर्शिनी केलकर

(डायरेक्टर)

न्यू एरा सी. से. स्कूल, निजामपुरा, वडोदरा

दिनांक – ६-१२ – २०१८

जिला स्तरीय शिक्षक कार्यशाला -६.९.२०१७ (२०१७-१८)

राज्य स्तरीय हिन्दी वाद-विवाद एवं कविता लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ २०१७-१८

राज्य-स्तरीय शिक्षक कार्यशाला ४.९.२०१८ (२०१८-२०१९)

राज्य स्तरीय हिन्दी वक्तृत्व एवं कविता लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ.२०१८-२०१९

विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान (भारत)

VIVEKANANDA EDUCATIONAL, CULTURAL & SPORTS ORGANISATION (INDIA)

Under Society's Registration Act 21, 1860 (No. 1389), Email-pksddeoghar@gmail.com

H.O.-Bidhu Bhushan Sarkar Road, B. Deoghar (Jharkhand)-814112

Mob.: 9431384650, E-mail : pksddeoghar@gmail.com

Message — 6th December, 2018

It is a matter of great pleasure that Sri Sathya Sai Vidyaniketan, Navsari, Gujrat is bringing out its 8th Volume its poem collection written by budding poets during state level Hindi poem writing competition 2018.

More than 180 million people in India regard Hindi as their mother tongue. In poetry and songs, it can convey emotions using simple and gentle words.

हिन्दी की खातिर सीमा पर होली रोज मनाते हैं,
सुनकर जिन कविताओं को जवान सीने पर गोली खाते हैं,

हिन्दी को बढ़ावा दिखाने वाले को नमन,
श्री सत्य सांई विद्यानिकेतन की यह चेष्टा
जरूर लाएगा चमन॥

My wishes to all the participants and related persons.
Salute to Hindi, my mother tongue.
Jay Bharat! Jay Hindi

To,
Sri B.N. Biswal
Hon'ble Principal
Sri Sathya Sai Vidyaniketan
Navsari, Gujarat, India

Dr. Pradip Kr. Singha Deo
PRESIDENT, VECSO (INDIA)

भविष्य की चिंता का दस्तावेज है ' साई किरण '

साई किरण का नया अध्याय वाकई गंभीर और अनुकरणीय पहल को लेकर आया है। ऐसे विषय पर चिंतन किया गया है, जो वर्तमान और आने वाले समय के लिए चुनौती बन गया है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की अलख जगाने वाला है। इस पुनीत हवन में देश के वे जागरूक नागरिक आहुति दे रहे हैं, जो देश कि भविष्य का निर्माण करने वाले हैं।

स्कूली शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपनी मारक व मार्मिक कविताओं और सुंदर रचनाओं के माध्यम से सार्थक संदेश देने का प्रयास किया है। सबने अपनी कविताओं में स्पष्ट तौर पर चेताया है कि समय पर पर्यावरण को बचाने और स्वच्छता को बढ़ावा देने का काम नहीं किया गया तो हालात और भी भयानक रूप में सामने आएंगे।

काव्य संकलन 'साई किरण' संवेदनशील मुद्दों के साथ हिंदी भाषा को सशक्त बनाने की सराहनीय पहल है। राष्ट्रभाषा का गौरव बढ़ाने के साथ ही भावी पीढ़ी में हिंदी के प्रति जागरूकता का संचार करना भी है। नवसारी के सत्य साई विद्यानिकेतन को इस काव्य संकलन के लिए बधाई।

राजेश कसेरा,
स्थानीय संपादक,
राजस्थान पत्रिका, सूरत

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Print by : Rangoli Graphics NVS. Mo : 9428160983

Cover background design by : kouwshik,www.graffixx